राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार 18 सितम्बर 2023 वर्ष–6,अंक–238 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त

पैपराजी को देख भड़क उठीं परिणीति चोपड़ा

बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा इन दिनों अपनी शादी को लेकर चर्चा में हैं। इसी बीच परिणीति का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें वह पैपराजी पर भड़कती हुई दिखाई दे रही हैं। वीडियो में परिणीति अपनी कार से जल्दबाजी में बाहर निकलते हुए दिखाई दे रही हैं। जैसे ही एक पैपराजी ने उन्हें बुलाया वह कहती है, 'नहीं बुलाया मैंने आपको यार'। फिर वो तुरंत अंदर चली जाती हैं। पैपराजी उनके पीछे जाते हैं तो फिर परिणीति ने हाथ जोड़ते हुए कहा- सर, बस कीजिए। मैं आपसे रिक्वेस्ट कर रही हूं। प्लीज, बस कीजिए सर। परिणीति चोपड़ा और आप सांसद राघव चड्ढा की शादी इसी महीने 24 सितंबर को राजस्थान के उदयपुर में होगी। शादी का पूरा फंक्शन उदयपुर के लीला पैलेस में रखा गया है। दोनों की शादी का कार्ड भी सामने आ चुका है। 23 सितंबर से शादी की रस्में शुरू हो जाएंगी। ये रस्में सुबह 10 बजे चूड़ा सेरेमनी से शुरू होंगी। इसके बाद दोपहर में लंच फिर उसी शाम संगीत सेरेमनी होने वाली है, जिसकी थीम 90२ बेस्ड होगी। 24 सितंबर को राघव चड्ढा बारात लेकर लीला पैलेस पहुंचेंगे और शाम 4 बजे राघव-परिणीति अपने परिवार की मौजूदगी में सात फेरे लेंगे।

जन्मदिन पर पीएम मोदी ने लॉन्च की विश्वकर्मा योजना

देश को समर्पित किया 'यशोभूमि'

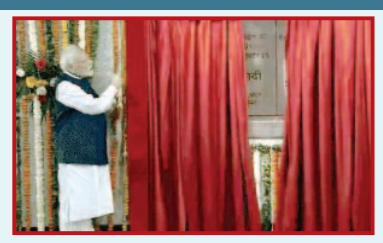

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर द्वारका में इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर में एक नई योजना 'पीएम विश्वकर्मा' लॉन्च की। पीएम ने इसके साथ ही विश्वकर्मा पोर्टल और डाक टिकट भी जारी किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारका में 'यशोभूमि' कहे जाने वाले इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर (IICC) पहुंचे। यहां उन्होंने यशोभूमि को देश को समर्पित किया। पीएम ने यशोभूमि के उद्घाटन को लेकर कहा, "कुछ दिन पहले हमने देखा कि कैसे भारत मंडपम को लेकर दुनिया भर में चर्चा हुई है। ये इंटरनेशनल एक्जीबिशन सेंटर-यशोभूमि इस परंपरा को और भव्यता से आगे बढ़ा रहा है। मुझे विश्वास है कि भारत मंडपम हो या यशोभूमि ये भारत की भव्यता और भारत की श्रेष्ठता का प्रतीक बनेंगे...भारत अब रूकने वाला नहीं है। हमें चलता रहना है। नए लक्ष्य बनाते रहना है और उन्हें पाकर ही चैन से बैठना है।" प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "आजकल हम देखते हैं कि बड़ी-बड़ी कंपनियां भी अपने प्रोडक्ट बनाने के लिए अपना काम दूसरी छोटी-छोटी कंपनियों को देती हैं। ये विश्व में एक बहुत बड़ी इंडस्ट्री है। आउटसोर्सिंग का काम भी हमारे विश्वकर्मा साथियों के पास आए। आप बड़ी सप्लाई चेन का हिस्सा बनें। हम इसके लिए आपको तैयार करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।" विश्वकर्मा योजना के लॉन्च के बाद पीएम मोदी ने कहा, "भगवान विश्वकर्मा के आशीर्वाद से आज प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का आरंभ हो रहा है। हाथ के हुनर से, औजारों से, परंपरागत रूप से काम करने वाले लाखों कारीगरों के लिए पीएम विश्वकर्मा योजना उम्मीद की एक नई किरण बनकर आ रही है। इसके साथ ही देश को इंटरनेशनल एग्जीबिशन सेंटर 'यशोभूमि' भी मिला है।" प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर, द्वारका में कारीगरों और शिल्पकारों के साथ बातचीत की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर, द्वारका में एक नई योजना 'पीएम विश्वकर्मा' शुरू करने से पहले भगवान विश्वकर्मा को पुष्पांजलि अर्पित की।

यूपीः आरएसएस की शाखा का विरोध, स्वयंसेवक को पीटा

पीलीभीत । जहानाबाद क्षेत्र के गांव रंपुरामिश्र स्थित देवस्थान पर चल रही शाखा का विरोध करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता के संग शनिवार देर रात मारपीट की गई। आरोप है कि हमलावरों ने वहां संघ के ध्वज को उखाड़ फेंका। इसके बाद जमकर हंगामा हुआ। सूचना मिलते ही एएसपी अनिल कुमार यादव व सीओ सिटी प्रतीक दहिया भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने संघ कार्यकर्ता की तहरीर के आधार पर दो नामजद समेत एक अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। जहानाबाद क्षेत्र के गांव सरौरा के रहने वाले देवेश पुत्र छेदालाल रंपुरा मिश्र स्थित देवस्थान पर संघ की शाखा लगाते हैं। शनिवार शाम लगभग साढ़े पांच बजे शाखा लगाने के दौरान बसपा के विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष नागेंद्र गौतम व सर्वेश कुमार अपने अन्य साथियों के साथ वहां पर पहुंच गए। दोनों युवक गांव के ही रहने वाले हैं। दोनों मौके पर पहुंचकर शाखा को बंद कराने का प्रयास करने लगे। जब स्वयंसेवकों ने इसका विरोध किया तो उक्त लोग मारपीट करने लगे। आरोप है कि नागेंद्र व सर्वेश के साथ आए लोगों ने संघ का ध्वज उखाड़ फेंका। इसके बाद मामला गरमा गया। देखते ही देखते वहां मौके पर भीड़ जमा हो गई। दोनों पक्ष जहानाबाद कोतवाली पहुंच गए। जानकारी लगते ही हिंदूवादी संगठन भी मौके पर पहुंच गए और आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज कराने व उनकी गिरफ्तारी की मांग पर अड़ गए।

कांग्रेस को 5 राज्यों में बहुमत मिलने का भरोसा

नई दिल्ली। कांग्रेस वर्किंग कमेटी की हैदराबाद में चल रही मीटिंग रविवार यानी 17 सितंबर को खत्म हो गई। इस दौरान 14 सूत्रीय प्रस्ताव पास किया गया। इसमें भरोसा जताया गया है कि पार्टी साल के अंत में 5 राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों में बहुमत हासिल कर लेगी। साल के अंत में राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, मिजोरम और तेलंगाना में चुनाव होने हैं। सूत्रों के हवाले से बताया कि मीटिंग में चुनावी राज्यों के अध्यक्षों ने भी प्रेजेंटेशन दिया। इसमें चुनावी रणनीति, प्रचार और तैयारियों के बारे में बताया गया। प्रस्ताव में कहा गया है कि देश की जनता बदलाव चाहती है और कांग्रेस आने वाले चुनावों के लिए पूरी तरह तैयार है। पार्टी कानून-व्यवस्था, स्वतंत्रता, सामाजिक-आर्थिक और समानता को लेकर जनता की उम्मीदों को पूरा करेगी। मीटिंग के दूसरे दिन कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कांग्रेस नेताओं को चुनाव के लिए तैयार रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा- ये आराम से बैठने का समय नहीं है। दिन-रात मेहनत करनी होगी। जहां हमारी राज्य सरकारें हैं, उनके अच्छे कामों को प्रचारित करना होगा। सोनिया गांधी ने कांग्रेस नेताओं को मीडिया से दूर रहने की सलाह दी है। उन्होंने पार्टी के लोगों से कोई भी ऐसी टिप्पणी करने से बचने को कहा है, जिससे कांग्रेस को नुकसान पहुंचे। तेलंगाना के तुक्कुगुडा में कांग्रेस आज रैली करेगी, जिसमें पार्टी तेलंगाना के लिए 5 गारंटी की घोषणा करेगी। खड़गे ने कहा- आज ऐतिहासिक दिन है। 1948 में आज ही के दिन हैदराबाद आजाद हुआ। नेहरू और सरदार पटेल ने हैदराबाद को मुक्त कराया। सीडब्ल्यूसी की बैठक के बाद कांग्रेस एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगी। खड़गे ने बताया कि मीटिंग का एजेंडा राज्यों के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारी है। अगले 2-3 महीनों में 5 राज्यों के चुनाव तय हैं। लोकसभा चुनाव महज 6 महीने दूर हैं। जम्मू-कश्मीर में भी विधानसभा चुनाव हो सकते हैं, हमें ये भी ध्यान रखना होगा।

हैदराबाद लिबरेशन डे कार्यक्रम में शामिल हुए अमित शाह

बोलेः पुरानी सरकारों ने तुष्टीकरण की राजनीति के चलते इसका जश्न नहीं मनाया

हैदराबाद। अमित शाह रविवार को हैदराबाद लिबरेशन डे कार्यक्रम में शामिल हुए। हैदराबाद के परेड ग्राउंड में हुए कार्यक्रम में गृह मंत्री शाह ने लिबरेशन डे नहीं मनाने के लिए पुरानी सरकारों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पिछले 75 सालों में किसी सरकार ने ह्यहैदराबाद लिबरेशन डेह्व नहीं मनाया।

तुष्टीकरण और वोटबैंक की राजनीति के चलते पुरानी सरकारें इसका जश्न मनाने से डरती रहीं। इतिहास से मुंह मोड़ने वालों से देश की जनता भी मुंह मोड़ लेगी। अमित शाह ने कहा- सरदार पटेल और केएम मुंशी जैसे नेता हैदराबाद की आजादी के लिए जिम्मेदार हैं। अंग्रेजों से आजादी मिलने के बाद 399 दिनों तक हैदराबाद पर क्रूर निजाम ने राज किया। ये दिन लोगों के लिए परेशानियों से भरे थे। सरदार पटेल ने 400वें दिन राज्य को आजादी दिलाने में मदद की। इसके लिए कई संगठनों ने भी संघर्ष किया। तेलंगाना, मराठावाड़ और कर्नाटक के लोगों को शहीदों के बलिदान को याद रखना चाहिए। 17 सितंबर 1948 के दिन भारतीय सेना से 5 दिन जंग के बाद हैदराबाद के निजाम मीर उस्मान अली खान ने सरेंडर कर दिया था। इसके बाद हैदराबाद भारत का हिस्सा हो गया। आज हैदराबाद के भारत में शामिल होने के 75 साल पूरे हो गए हैं। भाजपा और केंद्र सरकार का संस्कृति मंत्रालय आज 'हैदराबाद लिबरेशन डे' (मुक्ति दिवस) मना रहा है। इसके अलावा कांग्रेस 'विलय दिवस', इफ्र 'राष्ट्रीय एकता दिवस' और असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी अक्टक्ट 'कौमी एकता दिन' मना रही है। निजाम के शासन में हैदराबाद राज्य में आज के तेलंगाना के अलावा महाराष्ट्र में मराठवाड़ा के 8 जिले और आज के कर्नाटक के 7 जिले शामिल थे। इसलिए महाराष्ट्र और कर्नाटक की राज्य सरकारें भी 17 सितंबर को मुक्ति दिवस मनाती हैं। तेलंगाना की भोंगिर सीट से सांसद और BJP की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य नाल्लू इंद्रसेन रेड्डी बताते हैं कि 2022 में पहली बार केंद्र सरकार ने हैदराबाद डे सेलिब्रेट करने का फैसला लिया। इसके बाद राज्य सरकार भी एक्टिव हुई है।

स्मृति का सवालः तिरंगे की नीचे में खड़े होने का गर्व कांग्रेसियों को क्यों नहीं होता

झांसी । देश की नई संसद भवन में तिरंगा फहराने के कार्यक्रम में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के शामिल न होने पर केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज की छत्रछाया में खड़े होने पर हर भारतीय को गर्व होता है। इस गर्व की अनुभूति कांग्रेस पार्टी को क्यों नहीं होती इसका जवाब गांधी परिवार को देना चाहिए। वह झांसी में आयोजित पीएम विश्वकर्मा योजना के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए झांसी आईं थीं। राहुल गांधी के 2024 में अमेठी से चुनाव लड़ने के सवाल पर बोलीं कि कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष 2019 में भी पूरे विपक्ष के प्रत्याशी थे। भारत के इतिहास में पहली बार भाजपा कांग्रेस के मौजूदा राष्ट्रीय अध्यक्ष को हरा चुकी है। गठबंधन भाजपा का लोहा मान चुकी है। 2022 के विधानसभा चुनाव में अमेठी में कांग्रेस की चार सीटों में जमानत तक जब्त हो गई थी। केंद्रीय मंत्री ने एक सवाल के जवाब में कहा कि जिन कांग्रेसी वकीलों ने कोर्ट में यह हलफनामा दे दिया कि भगवान राम का अस्तित्व ही नहीं है, उनके मुख से राम मंदिर को लेकर विश्लेषण शोभा नहीं देता है।

शारदा पुल पर टकराई दो बसें

लखीमपुर खीरी । पलियाकलां क्षेत्र में पलिया भीरा मार्ग पर शारदा नदी पुल पर रविवार को दो निजी बसों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में छह लोग घायल हो गए। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां से इलाज के बाद सभी को घर भेज दिया गया है। दोनों बसों में लगभग 80 लोग सवार थे। पलिया से निजी बस सवारियों को लेकर लखीमपुर जा रही थी। शारदा पुल पर लखीमपुर से आ रही दूसरी बस से उसकी टक्कर हो गई। टक्कर होते ही दोनों बसों में चीख-पुकार मच गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी की दोनों बसें आगे से बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे से यात्रियों की सांसें अटक गई थीं। उन्होंने कहा कि गनीमत रही कि टकराने के बाद दोनों बसें पुल पर रुक गईं। अन्यथा बड़ा हादसा हो जाता, क्योंकि शारदा नदी उफान पर बह रही है। घायलों को अस्पताल लाया गया, जहां उनका इलाज किया गया। घटना के बाद शारदा पुल और सीएचसी में लोगों की भारी भीड़ लगी रही। भीरा पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर बसों को कब्जे में लिया। बताया जा रहा है कि जिस वक्त बसों की टक्कर हुई, उस समय तेज बारिश हो रही थी।

लखनऊः खराब प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को सीएम योगी ने दी कड़ी हिदायत, पेश की गई टॉप व बॉटम अफसरों की सूची

लखनऊ। जनसुनवाई समाधान प्रणाली, आईजीआरएस और सीएम हेल्पलाइन की अगस्त माह की टॉप और बॉटम 10 रैंकिंग मुख्यमंत्री के सामने प्रस्तुत की गई है। प्रदेश के सभी जिलों के जिलाधिकारियों, पुलिस कमिश्नर, एसएसपी और एसपी के अलावा तहसीलों के कार्यों के विस्तृत मूल्यांकन के आधार पर ये लिस्ट तैयार हुई है। लिस्ट में खराब प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को मुख्यमंत्री ने कड़ी हिदायत देते हुए अपनी कार्यप्रणाली में सुधार करने के लिए कहा है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि एक माह बाद दोबारा उन सभी के कार्यों की समीक्षा होगी, जिसमें खराब प्रदर्शन करने वाले जिलों के वरिष्ठ अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि अधिकारी जनता के लिए कारगर बनेंगें तो उनका कार्यकाल भी यादगार बनेगा। आईजीआरएस और सीएम हेल्पलाइन के कार्यों में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले टॉप 10 जिलाधिकारियों में क्रमशः अमेठी, कन्नौज, श्रावस्ती, शाहजहांपुर, सोनभद्र, गाजियाबाद, महोबा, मिजार्पुर, हापुड़ और भदोही हैं। वहीं लिस्ट में बॉटम 10 में बागपत, गोरखपुर, बरेली, वाराणसी, प्रयागराज, आगरा, सिद्धार्थनगर, सहारनपुर, रामपुर और मुरादाबाद के जिलाधिकारियों के प्रदर्शन को सबसे खराब बताया गया है। जारी लिस्ट में प्रदेश में सबसे अच्छा कार्य करने वाले पुलिस आयुक्त, एसएसपी और एसपी में क्रमशः अलीगढ़, श्रावस्ती, सोनभद्र, हमीरपुर, कुशीनगर, फरूर्खाबाद, कासगंज, चित्रकूट, भदोही और हाथरस हैं। इसी प्रकार बॉटम 10 में क्रमशः बरेली, लखनऊ, गोरखपुर, फतेहपुर, झांसी, अयोध्या, एटा, हापुड़, आजमगढ़ और संत कबीर नगर के पुलिस अधिकारी हैं। लिस्ट में सबसे अच्छा और सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली प्रदेश की तहसीलों को भी शामिल किया गया है। इसमें टॉप 10 में अलीगढ़ की कोल, जौनपुर की केराकत और बदलापुर, श्रावस्ती की इकौना, प्रयागराज की सदर, बागपत की बड़ौत, अलीगढ़ की अतरौली, बुलंदशहर की स्याना, जालौन की उरई और अमरोहा की हसनपुर तहसील शामिल हैं। इसी प्रकार खराब प्रदर्शन वाली बॉटम 10 में क्रमशः रामपुर की बिलासपुर, कन्नौज की तिर्वा और छिबरामऊ, रामपुर की मिलक, हापुड़ की धौलाना, हाथरस की हाथरस, संत कबीरनगर की खलीलाबाद, खीरी की धौरहरा, कन्नौज की कन्नौज और रायबरेली की ऊंचाहार तहसील शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने खराब प्रदर्शन वाले सभी जिलों के वरिष्ठ अधिकारियों को एक माह के अंदर सतत जन सुनवाई करते हुए समस्याओं के गुणवत्तापूर्ण ढंग से निपटारे के लिए निर्देशित किया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

अनंतनाग के दंश

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में आतंकवादियों से मुठभेड़ में सेना के दो अधिकारियों, एक पुलिस अधिकारी व शुक्रवार को एक घायल जवान की मौत राष्ट्र की अपूरणीय क्षति है। मुठभेड़ में कर्नल मनप्रीत सिंह, मेजर आशीष और डीएसपी हुमायूं भट की मौत बताती है कि आतंकवादियों से मुकाबले के दौरान जहां खुफिया तंत्र को दुरस्त करने की जरूरत है, वहीं रणनीति को अधिक धारदार व पुख्ता बने। दोनों ही सेना के अधिकारी आतंकवाद विरोधी इकाई का नेतृत्व करने वाले अनुभवी व सेना पदक का सम्मान पाने वाले थे। जाहिर है कि यह आप्रेशन खुफिया सूचनाओं पर आधारित था, लेकिन कहीं न कहीं रणनीति के क्रियान्वयन में चूक हुई है। पहले सूचना दी गई थी कि आतंकियों ने जंगल में अपना ठिकाना बना रखा है, लेकिन उन्होंने पहले ही घात लगाकर सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम को निशाना बना लिया। इसी चूक के चलते ही हमारे सैन्य अधिकारी व जवान आतंकवादियों के जाल में फंस गये। निस्संदेह, भविष्य में आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं यानी एसओपी के क्रियान्वयन में अधिक सतर्कता की जरूरत होगी। हालांकि, सेना ने वर्ष 2020 में जम्मू-कश्मीर में ऐसे ऑपरेशनों के लिये अपने एसओपी में संशोधन किया था, जिसमें मुठभेड़ के दौरान आतंकवादियों को आत्मसमर्पण सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता था। इसमें भटके हुए युवाओं को जान बचाने का मौका दिया जाता था लेकिन इस नीति ने सेना के जवानों के लिये लक्ष्य को कठिन बना दिया। निस्संदेह, ऐसी मुठभेड़ पे पहले मिली हुई सूचनाओं का गहन सत्यापन जरूरी होता है। आतंकवादियों व उनकी मदद करने वाले स्थानीय लोगों की चौबीस घंटे की निगरानी जरूरी होती है। हालांकि, इस घटना से जम्मू-कश्मीर में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को पटरी पर लाने की कोशिशों को झटका लगेगा। हाल ही में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि वह जम्मू-कश्मीर में चुनाव कराने के लिये तैयार है। फिर भी इन दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के बावजूद पहले से बहुत विलंबित चुनावी प्रक्रिया को आगे बढ़ाने से नहीं रोका जाना चाहिए। बहरहाल, सेना व पुलिस के अधिकारियों की शहादत हमें सबक देती है कि अब खुफिया तंत्र की खामियों को दूर करने और आप्रेशनों की मानक संचालन प्रक्रिया को मजबूत बनाने की जरूरत है। जिससे सेना के अधिकारी व पुलिसकर्मी पाकिस्तान प्रशिक्षित आतंकवादियों का बेहतर ढंग से मुकाबला कर सकें। निस्संदेह, हाल के दिनों में घाटी में आतंकी घटनाओं में कमी आई है, लेकिन अभी भी आतंकी नेटवर्क को पूरी तरह धवस्त करने की जरूरत है। कुछ समय पहले कुलगाम में हुई एक मुठभेड़ के दौरान भी सेना के तीन जवान शहीद हुए थे। दरअसल, इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी के बाद ही काउंटर अभियान प्रारंभ किया गया था। इससे पहले मई में राजौरी में सैनिकों पर व पुंछ में सेना के ट्रक पर भी हमला हुआ था। यद्यपि पहले के मुकाबले में आतंकी हमलों की वारदात कम हुई हैं, लेकिन ये घटनाएं बताती हैं कि सेना के अभियान में अधिक सतर्कता बरतने की जरूरत होती है। यह भी तार्किक है कि पहले की तरह आतंकवादी अपने अभियानों को आसानी से अंजाम देने में सफल नहीं हो पा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर हमें सीमा पार से संचालित आंतक के नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त करने की जरूरत है।

आज का राशीफल

मेष गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च करने के योग हैं। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार से मिलाप की संभावना है।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। दूसरों से सहयोग लेने में सफल रहेंगे।

तुला शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अपनों का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता आपको धन लाभ करायेगी। व्यर्थ की भागदौड़ होगी।

वृश्चिक व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक उन्नति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा।

मकर बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खान-पान संयम रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। विरोधियों का पराभव होगा।

मीन जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

पर्युषण पर्व- आत्मसाक्षात्कार का दिव्य पर्व

(लेखक-विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

(18 सितम्बर) चातुर्मास के दौरान भाद्रमाह की पंचमी से दस दिवसीय पर्युषण पर्व जैन मान्यताओं के अनुसार मनाया जाता हैं। दस दिवस में प्रत्येक दिवस का अपना अपना महत्व या धर्म होता हैं। वास्तु का जो स्वाभाव होता हैं उसे धर्म कहते हैं। वस्तुस्वभावो धर्मः। जैसे अग्नि का स्वाभाव ताप देना हैं, वैसे ही आत्मा धर्म मयी हैं। उत्तम क्षमा। मार्दव आर्जव, सत्य, शौच, संयम, तप, त्याग, आकिंचन्य और ब्रह्मचर्य।ये चार कषायों क्रोध, मान माया और लोभ, पांच पापो जैसे हिंसा, झूठ, चोरी, कुशील और परिग्रह से छूटकर किस प्रकार अपनी आत्मा या ब्रह्म में आचरण कर, अपनी आत्मा का कल्याण करे। यह अपनी आत्मा में छाई कलुषिता को दूर कर अपनी आत्मा से साक्षातकार करने का यह स्वर्णिम अवसर होता हैं। यदि हम अपने जीवन में एक भी धर्म को उतार ले तो अपना आत्मकल्याण कर सकते हैं। अपूर्व अलौकिक धर्म साधना का समय होता हैं। ये मात्रा दस दिन हमे वर्ष भर के लिए आचरण की याद दिलाने आते हैं। वैसे हमें अपना जीवन प्रत्येक क्षण धर्म मय मनाना चाहिए।

बिना कारण के कोई कार्य उत्पन्न नहीं होता। कोई भी कार्य निर्थक नहीं होता। बहुत पहले समाज विखरित था। उस समय आवागमन के साधन शून्य। कच्चे मार्ग, बैलगाड़ी, घोड़ों की सवारी ही मुख्य साधन होते थे। अधिकतर निवास गांव में होते थे। व्यापार शुन्य, खेती किसानी से निवृत्ति और आवागमन का साधन न होने से जीवन अवरुद्ध सा हो जाता। उस समय समय की उपयोगिता हेतु अधिकतर धार्मिक आयोजन किये जाते थे।जिससे समय के साथ जीवन की यथार्यता का दर्शन होते थे।हमें क्या करना चाहिए और हम क्या कर रहे हैं। इससे जीवन की दशा और दिशा समझ में आती थी और हैं भी।

कच्ची सड़के,हरियाली अधिक, वर्षा की आधिक्यता से आवागमन सीमित होने से धार्मिक सामाजिक आयोजन किये जाते। जीव हिंसा का डर, हरी साग सब्जी में रोगों का संक्रमण होने से उसका भी त्याग और उस समय इतनी प्रकार की सब्जियां भी नहीं मिलती थी तो सादा भोजन, जीवन और उच्च विचार का परिपालन करते थे।

यह चातुर्मास सब समाज में और दर्शन में मनाते हैं और इसका आयोजन कुछ सार्थक उद्देश्य के होते थे और हैं। इसमें मुख्यतः जीव हिंसा का वचाब और धार्मिक भावना का उदघाटन करना, इसके लिए कही भागवत गीता, रामायण आदि का परायण होता हैं। आत्म कल्याण की भावना बलबती होती हैं। जैन समाज में आज से पचास साठ पहले जैन आचार्यों, मुनियों की इतनी अधिक संख्या नहीं रहती थी और न सब जगह मुनि वर्ग पहुंच पाते थे तथा उस समय आर्थिक संघर्ष भी आज की अपेक्षा अधिक था। उस समय आवागमन के साधन तैयार होने लगे थे। और समाज गांव से शहरों की ओर आने लगी चाहे व्यापार के लिए, नौकरी के लिए या शिक्षा के लिए। या विकास के लिए।

पचास साठ साल पहले कुछ पंडित जी, कुछ विद्यवान ही पर्युषण पर्व में बुलाये जाते थे उसी समय धरम का रसास्वादन मिल जाता था। आचार्य श्री के प्रादुर्भाव से और उस समय अन्य आचार्यों के कारण अनेकानेक मुनि आचार्य, आर्यिकायें दीक्षित हुए और अब इस समय चातुर्मास स्थापना ने एक महोत्सव का रूप ले लिया, इतनी भव्यता होती हैं की भव्यता में भी प्रतिस्पर्धा होने लगी यह शुभ लक्षण हैं !।इससे समाज में मुनि संघों, आचार्य संघों, आर्यिका संघो और ऐलक,क्षुल्लक, ब्रह्मचारी आदि के माध्यम से ज्ञान की अमृत वर्षा होती हैं और प्रभावना का बोध होता हैं।

आजकल उच्च श्रेणी के श्रावक /श्राविका होते जा रहे हैं और वर्तमान में आचार्यों के कारण उनके शिष्य भी बेजोड़ ज्ञानी,ध्यानी ज्ञाता हो गए है। उन्होंने लगातार अध्ययन कर अपने आप में श्रेष्ठता हासिल की हैं। उनकी प्रभावना हमारे ऊपर अधिक क्यों पड़ती हैं ?उसका कारण उनकी त्याग, तपस्या। साधना, विवेक, ज्ञान और उनके द्वारा कुछ समाज, देश के कल्याण के हित की बात करते हैं। और वे मात्र स्व पर कल्याण में रत होते हुए समाज को बहुत देते हैं। संसार की अनित्य दशा से छूटकर आत्मिक कल्याण में लगो। आचार्य /मुनि /श्राविका समाज से आहार लेते हैं, जिसके कारण आहार दाता अपने को बड़ा भाग्यशाली मानता हैं,बड़े पुण्य से मुनि महाराज आदि आहार लेते हैं जिसके उत्साह का ठिकाना दाता को होता हैं और उसके बदले आचार्य /मुनि /आर्यिकाये स्वकल्याण /आत्मसाधना करती/करते हैं और समाज को ज्ञान दान, चरित्र निर्माण में सहयोग देती हैं, प्रेरणा देती हैं, प्रेरक बनते हैं।

आज कल साधन, सुविधाएं, व्यापार, नौकरी के कारण सम्पन्नता आने से समय की कमी होती जा रही हैं, हम कमवख्त (कम वक़्त) होते जा रहे हैं, आज वर्तमान में आर्थिक, भौतिक चकाचौंध के कारण और बहुत सुशिक्षित होने के कारण विदेशों में जाना आजकल सामान्य होता जा रहा हैं और महानगरों में भी /व्यापार /नौकरी के कारण जाने से आहार/भोजन की परमपरा जो रात्रिकालीन त्याग की थी वह पूर्णतयः समाप्त हो गयी, और अब अंतरजातीय विवाह या प्रेम विवाह होने के कारन वे लोग समाज से जुड़ना नहीं चाहते। और धनवान लोग अपने अपने द्वीप में रहकर पूर्ण स्वच्छंदता से रहकर पर उपदेश देते हैं।

नगर निगम अशुद्ध पानी प्रदाय करती हैं पर हम अपना लोटे का पानी छान कर। साफ़ रखते हैं वैसे धरम व्यक्ति प्रधान होता हैं तथा भाव प्रधान हैं। भावना से ही बढ़ या छोटे होते हैं हम समाज सुधारक नहीं हैं। समाज का सुधारना बहुत कठिन हैं जब वह सम्पन्न, शिक्षित हो और उसमे समाज का कोई नियंत्रण न हो। कारण समाज इतना फैला हैं की कौन कहाँ क्या कर रहा है किसी को नहीं मालूम। पहले विजातीय शादी या नियम विरुद्ध कृत्य करते थे तो उन्हें समाज से बहिष्कृत किया जाता था, अब आजकल उन्हें ही श्रेष्ठि जन के रूप में मान्यता मिलती हैं। आजकल अनैतिक ढंग से आय /आमदनी होने के कारण या करने के कारण जैसे शराब का धंधा करना, स्मगलिंग करना, सट्टा, जुआ खिलाना तस्करी करना या चमड़े उद्योग लगाना, कृमिनाशक रसायनों का व्यापार करना आज समाज में सामान्य होता जा रहा हैं और इन्ही के कारण बड़ी बड़ी योजनाओं में भागीदारी होती हैं। इससे उनके चरित्र का प्रभाव समाज पर नहीं पड़ता क्या? यह कोई व्यक्तिगत आलोचना नहीं हैं,

हमारे लिए यह बहुत शुभ घडी हैं की इस समय चातुर्मास स्थापना इतनी जगह हो रहे हैं जिससे बहुसंख्य समाज मुनि, आचार्य आर्यिकाओं आदि की उपस्थिति से लाभान्वित होंगे और उन्हें भी साधना करने का अनुकूल स्थान मिलेंगे और हम लोग जो अज्ञानी, अबोध, धरम से दूर रहने वालों को जुड़ने और ज्ञान से वे भी अपना कल्याण कर सकेंगे।कल्याण न हो तो कोई बात नहीं सदमार्ग पर चलना सीख जाए यही सच्चा चातुर्मास होगा।

वर्तमान में जैन श्रमण संस्कृति संसथान सांगानेर से प्रक्षिक्षित विद्वानों द्वारा पूरे भारत के साथ अन्य देशों में भी जाकर धरम की प्रभावना की जा रही हैं और इसी के साथ श्रावक संस्कार शिविर से भी धरम की जाग्रति के साथ प्राथमिक शिक्षा दी जा रही हैं यह अनुकरणीय प्रयास हैं।

यह पर्व हैं अपने कल्याण का,
यह अवसर हैं सुधारने और सुधरने का,
बीता हुआ समय नहीं आयेंगा
आगे को तो हम सम्हाल सकेंगे।
जीवन की सार्थकता के लिए
यह हैं प्रथम सीढ़ी आत्मकल्याण की।

अखण्ड सौभाग्य का व्रत हरतालिका तीज

(लेखिका- डॉ. रीना रवि मालपानी)

शिव-पार्वती की जोड़ी तो सृष्टि की वह जोड़ी है जो सदैव प्रेम, समर्पण एवं शक्ति को प्रदर्शित करती है। वह जोड़ी सदैव साथ में ही वंदनीय, सुशोभित एवं पूज्यनीय होती है, इसीलिए शिव स्वयं को अर्द्धनारीश्वर स्वरुप में भी प्रदर्शित करते है एवं नारीशक्ति के सम्मान का ज्ञान कराते है और शिव-शक्ति का स्वरुप पूर्णता को प्रत्यक्ष करता है। विधि का विधान देखिए सती का भस्म होना और माता पार्वती का कठिन तप के द्वारा शिव को प्राप्त करना मनुष्य जीवन को भी परीक्षाओं का ज्ञान कराता है। शिव-शक्ति के लिए तो सबकुछ सहज और सरल ही था और प्रभु तो स्वयं अन्तर्यामी है उन्हें तो सबकुछ ज्ञात था फिर भी सहज ही उन्होंने सती के हठ को स्वीकार किया और अनंत वर्षों तक पार्वती का इंतज़ार किया। ईश्वर की लीला तो हमें भी धर्म-कर्म की ओर चलने को प्रेरित करती है। मानव जीवन के लिए व्रत, तपस्या, पूजा-अर्चना इत्यादि का विधान तो शिव शम्भू व्यवहारिक रूप में बताना चाहते थे, इसीलिए माता पार्वती ने आराधना का मार्ग चुना।

माता पार्वती ने शिवजी के लिए निर्जल हरतालिका तीज का व्रत रखा था। माता शिवजी को पति रूप में प्राप्त करना चाहती थी और इस तीज के व्रत द्वारा ही माता ने अखंड सौभाग्य को प्राप्त किया था। शिवजी ने माता पार्वती की कई बार परीक्षाएँ ली पर हिमालय पुत्री अपने निर्णय पर अडिग थी। वह तो महादेव के सत्यम-शिवम-सुंदरम रूप को जानती थी। महादेव तो आडम्बर से कोसों दूर है। इसका तो ऊमा को पूर्णतः ज्ञान था। वह तो प्रभु के गुणों पर मोहित थी। माता ने शिव को प्रसन्न करने के लिए उनकी प्रत्येक प्रिय द्रव्यावली शिव को अर्पित करी। साधना, उपासना और अनूठी निष्ठा के द्वारा शिव को पति रूप में प्राप्त किया।

हरतालिका तीज के दिन सुहागन स्त्रियाँ एवं कन्याएँ शिव-पार्वती का विधि-विधान से पूजन करती है, मेहंदी लगाती है एवं श्रृंगार करती है। माता को भी श्रृंगार की वस्तुएँ अर्पित करती है और अपने सौभाग्य को अखण्ड करती है। इस दिन की गई पूजा-अर्चना से शिव-पार्वती प्रसन्न होते है एवं मनोवांछित फल प्रदान करते है। इस व्रत में निर्जला रहा जाता है। हरतालिका तीज की एक और मान्यता यह भी कही जाती है कि जीवन पर्यन्त इस व्रत को रखना होता है। इसकी कथा श्रवण एवं वाचन करने पर हमें इसके महात्मय और विधान का पूर्ण ज्ञान होता है। आदि अनंत अविनाशी शिव ने भी जीवन में जप, तप और साधना का ही मार्ग चुना है और माता भी प्रभु का ही अनुसरण करती है इसलिए उन्होंने भी कठोर साधना की।

प्रभु ने मनुष्य को त्यौहार, व्रत और उपासना से संयुक्त कर आध्यात्म एवं धर्म से जोड़ दिया है। जीवन में उत्सव का आनन्द कभी भी कम नहीं होना चाहिए। शिव तो सदैव चिदानन्द स्वरुप का गुणगान करते है। तो आइयें पूर्ण विश्वास से हरतालिका तीज का व्रत करें एवं शिव-शक्ति के प्रति अपनी श्रद्धा को और सुदृढ़ करें। जो व्यक्ति श्रद्धा एवं भक्ति के मार्ग पर अनवरत कदम बढ़ाता जाता है वह मुक्ति के प्रदाता महादेव के द्वारा भवसागर से तर जाता है। उमापति महादेव की जय।

डॉ. रीना रवि मालपानी (कवयित्री एवं लेखिका)

विचार मंथन

50 देश के करोड़ों लोगों की आबादी पर अकाल और भुखमरी का संकट

(लेखक-सनत जैन)

दुनिया भर के देशों में रिकॉर्ड स्तर पर भुखमरी का सामना करने वाले देश की संख्या बढ़कर 50 के आसपास पहुंच गई है। एशिया के अफगानिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, पाकिस्तान जैसे देश गंभीर खाद्य संकट के उच्चस्तर पर पहुंच चुके हैं। यदि इसमें जल्दी ही सुधार नहीं हुआ, तो भुखमरी के हालात पैदा हो जाएंगे। अफगानिस्तान में इस साल जून से अभी तक खाद्य पदार्थों के दाम 40 फ़ीसदी से ज्यादा बढ़ गए हैं। पाकिस्तान के हालात भी बद से बदतर हैं। हाल ही में खाद्य संकट पर जारी वैश्विक अर्धवार्षिक रिपोर्ट 2022 के बाद 9 देश जिसमें सूडान, सोमालिया, बुरुंडी, यमन, कांगो, नाइजीरिया, हेती, जॉर्डन और लेबनान में भारी खाद्य संकट है। गर्भवती महिलायें कुपोषण का शिकार है। जिसका असर बच्चों के ऊपर भी असर पड़ रहा है। महामारी के बाद हुए, आर्थिक नुकसान और यूक्रेन युद्ध के बाद से खाद्य पदार्थों की कीमतें दुनिया भर के देशों में बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही हैं। मांग के अनुरूप उत्पादन और सप्लाई नहीं होने के कारण, खाद्य पदार्थों के दाम लगातार बढ़ते जा रहे हैं। मुख्य खाद्य पदार्थ मक्का, चावल, सोयाबीन और गेहूं की पैदावार अंतराष्ट्रीय स्तर पर घट गया है। संयुक्त राष्ट्र एजेंसी, विश्व खाद्य कार्यक्रम डब्ल्यूएफपी की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के 78 करोड लोग भुखमरी का शिकार है। इन्हें यह नहीं पता होता है कि उन्हें अगला भोजन कब और कैसे नसीब होगा। दुनिया में 5 साल से कम उम्र के साढे चार करोड़ बच्चे गंभीर कुपोषण के शिकार हैं। दुनिया भर के 50 से अधिक देश इस समय भुखमरी और आर्थिक संकट के शिकार हैं। इस समय लोगों को खाद्य पदार्थ और आर्थिक सहायता की जरूरत है। यदि इसे दूर करने के लिए आवश्यक समर्थन अंतराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान और एक देश दूसरे देश को नहीं देंगे, तो दुनिया भर में भयावह संघर्ष, अशांति और भुखमरी बढ़ेगी। जिसके कारण आंतरिक विद्रोह और तृतीय विश्व युद्ध जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। जिस तरह से दुनिया भर के देशों में खाद्य पदार्थों के दाम बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। मानव जीवन के लिए यह सबसे कठिन समय है। यदि हालात पर जल्दी सुधार नहीं हुआ तो, इसके परिणाम 1917 की जार क्रांति की तरह दुनिया के कई देशों में देखने को मिल सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार इस समय 50 से अधिक देश 60 फीसदी से ज्यादा आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहे है। इन्हें आर्थिक सहायता की जरुरत है। भारत में भी खाद्य पदार्थों के दाम लगातार बढ़ते जा रहे हैं। भारत जैसे देशों में आम नागरिकों के ऊपर कर्ज बढ़ता जा रहा है। भारत में टैक्स भी पिछले वर्षों में बढ़ता जा रहा है। महंगाई और बेरोजगारी के कारण भारत जैसे देश भी आर्थिक संकट के उसी दौर से गुजर रहे हैं। जिसके फलस्वरुप आर्थिक कारणों से युवा और बेरोजगारों का गुस्सा अब सड़कों में देखने को मिलने लगा है। भारत में अभी खाद्य पदार्थों का वैसा संकट नहीं है, जैसा अन्य देशों में देखने को मिल रहा है। भारत में मंहगाई, आर्थिक मंदी और बेरोजगारी के कारण मध्यम एवं निम्नवर्ग आर्थिक संकट से गुजर रहा है। भारत में आर्थिक कारणों से देश में

सैकड़ों लोग जिसमें छात्र, किसान, व्यापारी एवं बीमार व्यक्ति आत्महत्या कर रहे है। जिसके कारण भारत की समस्यायें लगातार बढ़ रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लेखा परीक्षक टेक्नोलॉजी अपनाकर भारत को विकसित बनाने में योगदान दें: सीतारमण

नई दिल्ली । केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारत के एक विकसित देश बनने के लिए अगले 25 वर्षों को महत्वपूर्ण बताते हुए लेखा परीक्षकों (ऑडिटर) से टेक्नोलॉजी को अपनाने और छोटी कंपनियों को वृद्धि के लिए शिक्षित करने का अनुरोध किया। सीतारमण ने यहां सोसाइटी ऑफ ऑडिटर्स की 90वीं वर्षगांठ पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि देश ने पिछले 20-25 वर्षों में कई स्तरों पर प्रगति की है और खुद विश्व बैंक ने भी कहा है कि भारत ने पिछले दशक में वह हासिल किया है जो वह 60 वर्षों में हासिल नहीं कर पाया था। सीतारमण ने कहा कि चार्टर्ड अकाउंटेंट की कार्यप्रणाली में विश्व स्तर पर बहुत बदलाव हो रहे हैं और इसका अहसास इन प्रोफेशनल्स को होने भी लगा है। उन्होंने कहा` कि जिस तरह से टेक्नोलॉजी चलन में आई है, मैं उसकी सराहना करती हूं। आप में से कई लोग इसे प्रसन्नता से अपना रहे हैं और यही कारण है कि अगले जुलाई से चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षाएं भी एक अलग प्रारूप में होने जा रही हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि अगले 25 वर्षों में भारत के पास एक विकसित राष्ट्र बनने की 'नैरो विंडो' है और हममें से हरेक को अपने पेशे पर ध्यान केंद्रित करने के साथ देश की बेहतर सेवा करने के तरीकों पर भी ध्यान देना होगा।

दिल्ली सरकार 26 औद्योगिक क्षेत्रों का पुनर्विकास करने नियुक्त करेगी सलाहकार

नई दिल्ली । दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में 26 गैर स्वीकृत औद्योगिक क्षेत्रों के पुनर्विकास के लिए सलाहकारों की भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जुलाई में इन औद्योगिक क्षेत्रों के प्रतिनिधियों के साथ हाल ही में एक बैठक में सलाहकार नियुक्त करने की बात की थी और पुनर्विकास लागत का 90 प्रतिशत वहन करने के लिए कहा था। दिल्ली राज्य औद्योगिक अवसंरचना विकास निगम (डीएसआईआईडीसी) ने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) में सूचीबद्ध वास्तुकार (आर्किटेक्ट) सलाहकारों से गैर-स्वीकृत औद्योगिक क्षेत्रों का दिल्ली मास्टर प्लान के अनुरूप पुनर्विकास से संबंधित योजनाओं की तैयारी एवं अनुमोदन के लिए प्रस्ताव का अनुरोध जारी किया। दिल्ली में लिबासपुर, मुंडका, ख्याला, समयपुर बादली, करावल नगर, हस्तसाल, सुल्तानपुर माजरा और शाहदरा सहित 26 अधिसूचित गैर-स्वीकृत औद्योगिक क्षेत्र हैं, जिनमें 50,000 से अधिक कारखाने मौजूद हैं। दिल्ली सरकार ने वित्त वर्ष 2022-23 के अपने बजट में इन गैर-स्वीकृत औद्योगिक क्षेत्रों के पुनर्विकास की घोषणा की थी।

रूस बना गेहूं का नंबर 1 निर्यातक देश

- रूस में सबसे कम कीमत में मिल रहा गेहूं

नई दिल्ली ।

रूस में लगातार दूसरे सीजन में भी गेहूं की बंपर पैदावार हुई। जिससे यह देश दुनिया का नंबर 1 निर्यातक देश बन गया है। एक तरफ जहां रूस की दमदार फसल निर्यातक के रूप में देश की स्थिति को मजबूत कर रही है, वहीं दूसरी ओर यह यूक्रेन पर आक्रमण की वजह से कीमत पर बढ़े दबाव को भी कम कर रही है। इसका मतलब यह है कि सप्लाई बढ़ने की वजह से देश को सस्ते में गेहूं मिल रहा है। एक मीडिया रिपोर्ट में बताया गया कि रूस के साथ युद्ध की वजह से यूक्रेन के बंदरगाहों पर नाकाबंदी हो गई है और लगातार बमबारी जारी है, जिसकी वजह से यूक्रेन का खाद्य निर्यात रुक गया है और यही वजह है कि वैश्विक गेहूं बाजार में रूस को अपना प्रभुत्व मजबूत करने में मदद मिली है। यह रिकॉर्ड रूसी शिपमेंट को जानकर समझा जा सकता है क्योंकि देश के व्यापारियों ने आक्रमण के बाद सामना की गई फाइनैंशिंग और लॉजिस्टिक संबंधी चुनौतियों पर काबू पा लिया है। हालांकि रूस के खचाखच भरे अनाज बंदरगाहों ने लागत के संकट से जूझ रहे गेहूं उपभोक्ताओं के लिए एक उम्मीद की किरण भी पैदा की है क्योंकि इस समय गेहूं की कीमतें लगभग तीन वर्षों में सबसे कम हैं। रूस स्थिति का फायदा उठाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है और ऐसे में अपने खुद के खजाने को भरने के लिए गेहूं की कीमतों में बढ़ोतरी कर रहा है, लेकिन इन सबके बावजूद, जब रूस ने यूक्रेन पर हमला किया था तब जितना दाम था, उसकी भी आधी से कम कीमत पर शिकागो बाजार कारोबार कर रहा है। बता दें कि आक्रमण के बाद गेहूं की कीमत उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थी। स्ट्रैटेजी ग्रेन्स के अनाज-बाजार विश्लेषक ने बताया कि रूसी गेहूं के लिए बहुत सारे प्रतिस्पर्धी नहीं हैं। रूस इस समय प्राइस मेकर है।यानी रूस के लिए इस समय कोई मुकाबले में नहीं है और रूस का कीमत सुनिश्चित करने में इकलौता राज है।

(शेयर बाजार समीक्षा) फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर निर्णय से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह अमेरिकी केंद्रीय बैंक के ब्याज दर पर निर्णय, वैश्विक बाजारों के रुझान और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से शेयर बाजारों की दिशा तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। गणेश चतुर्थी के उपलक्ष्य में मंगलवार को शेयर बाजार बंद रहेंगे। वैश्विक मोर्चे पर बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक ऑफ जापान के ब्याज दर पर निर्णय से भी बाजार को दिशा` मिलेगी।` विश्लेषकों ने कहा` कि यह सप्ताह मौद्रिक नीति वाला होगा। फेडरल रिजर्व के नीति-निर्माताओं ने फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक बुलाई है और ब्याज दर पर निर्णय की घोषणा बुधवार 20 सितंबर को होगी। उन्होंने कहा कि डॉलर के मुकाबले रुपए की चाल, अमेरिकी में बॉन्ड प्रतिफल और कच्चे तेल की कीमतें भी बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण रहेंगी। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,239.72 अंक के लाभ में रहा। नेशनल स्टॉक का निफ्टी 372.4 अंक चढ़ गया। शुक्रवार को लगातार 11वें कारोबारी सत्र में सेंसेक्स लाभ में रहा और 319.63 अंक की छलांग के साथ 67,838.63 के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। शुक्रवार को निफ्टी 89.25 अंक बढ़कर 20,192.35 के अपने रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। विश्लेषकों ने कहा कि निवेशकों की नजर अब आगामी आंकड़ों तथा इस सप्ताह होने वाली केंद्रीय बैंक की बैठकों पर रहेगी। सप्ताह के दौरान फेडरल रिजर्व के अलावा बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक ऑफ जापान द्वारा ब्याज दरों पर निर्णय की घोषणा की जाएगी। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम और रुपए का उतार-चढ़ाव भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेगा। आगामी दिनों में बाजार कुछ बड़े वृहद आर्थिक आंकड़ों मसलन अमेरिका के एसएंडपी वैश्विक विनिर्माण और सेवा पीएमआई, बेरोजगारी दावे, कच्चे तेल के भंडार, एफओएमसी की टिप्पणी, फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर निर्णय, ब्रिटेन की मुद्रास्फीति, यूरो क्षेत्र की महंगाई पर प्रतिक्रिया देगा।

सेंसेक्स पिछले 11 सत्रों में 4.63 फीसदी चढ़ा

- सिर्फ 11 ट्रेडिंग सेशंस में निवेशकों ने कमाएं 14 लाख करोड़ रुपए

मुंबई । शेयर बाजार 11 कारोबारी सत्रों से लगातार तेजी के साथ बंद हो रहा है। यह 2007 के बाद तेजी का सबसे लंबा सिलसिला है। इस तेजी की बदौलत यह सार्वजे निक उच्च स्तर पर पहुंच गया है। सेंसेक्स पिछले 11 सत्रों में 4.63 फीसदी चढ़ा है। इसमें 1.86 फीसदी की तेजी सिर्फ बीते हफ्ते आई है। बीते 11 कारोबारी सत्रों में निवेशकों ने शेयर बाजार से करीब 14 लाख करोड़ रुपए कमाए हैं। देश और विदेश से आने वाली पॉजिटिव खबरों से बाजार को सपोर्ट मिला है। इनफ्लेशन में कमी आई है। मानसून की बारिश कम रहने के बावजूद` विशेषज्ञ चिंतित नहीं हैं।` विशेषज्ञों का कहना है कि दूसरी तिमाही के कंपनियों के नतीजे चौंका सकते हैं। पहली तिमाही में भी कंपनियों के नतीजे अच्छे आए थे। इसका स्टॉक मार्केट पर पॉजिटिव असर पड़ा था। बीते 11 कारोबारी सत्रों में निवेशकों ने शेयर बाजार से 13.81 लाख करोड़ रुपए कमाए हैं। बीएसई के मार्केट कैप में आए उछाल से इसका पता चलता है। बीएसई का मार्केट कैप बढ़कर 523.41 लाख करोड़ रुपए हो गया है। सिर्फ बीते हफ्ते में मार्केट कैप 2.46 लाख करोड़ रुपए बढ़ गया है। उधर, इस दौरान दुनिया के दूसरे बड़े बाजारों के प्रमुख सूचकांक सीमित दायरे में बने रहे हैं।

विदेशों बाजारों में तेजी से खाद्य तेल-तिलहन कीमतों में सुधार का रुख रहा

- सभी खाद्य तेल-तिलहनों के थोक भाव मजबूती के साथ बंद हुए

नई दिल्ली ।

विदेशों में सोयाबीन डीगम की कीमतों में बीते सप्ताह आई मजबूती के बीच देश के तेल-तिलहन बाजारों में लगभग सभी खाद्य तेल-तिलहनों के थोक भाव मजबूती के साथ बंद हुए। सूत्रों ने कहा कि विदेशों में पिछले सप्ताह सोयाबीन तेल का दाम 972 डॉलर से बढ़कर 1,040-45 डॉलर प्रति टन हो गया है लेकिन पिछले साल मई के मुकाबले यह दाम लगभग आधा है। इसके अलावा सप्ताह के दौरान शिकॉगो और मलेशिया एक्सचेंज में मजबूती रहने तथा देश के किसानों द्वारा निचले भाव पर बिकवाली कम करने से खाद्य तेल-तिलहन कीमतों में मजबूती रही। उन्होंने कहा कि सरसों की आवक घटने से भी तेल कीमतों में सुधार है। सूत्रों ने कहा कि बाजार में मूंगफली की कमी है और अक्टूबर में नयी फसल आने के बाद ही स्थिति में सुधार होगा। यही हाल बिनौला का भी है जिसका अच्छा माल काफी कम है और इसके लिए भी अगली फसल का इंतजार रहेगा। पिछले सप्ताहांत के मुकाबले बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 150 रुपए बढ़कर 5,600-5,650 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 350 रुपए बढ़कर 10,350 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 55-55 रुपए की बढ़त के साथ क्रमशः 1,760-1,855 रुपए और 1,760-1,870 रुपए टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज का भाव 40-40 रुपए सुधार के साथ क्रमशः 5,105-5,200 रुपए प्रति क्विंटल और 4,870-4,965 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम तेल के दाम क्रमशः 50 रुपए, 50 रुपए और 75 रुपए की सुधार के साथ क्रमशः 9,800 रुपए, 9,750 रुपए और 8,100 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तिलहन, मूंगफली गुजरात और मूंगफली सॉल्वेंट रिफाइंड के भाव भी क्रमशः 100 रुपए, 120 रुपए

और 25 रुपए की बढ़त के साथ क्रमशः 7,440-7,490 रुपए, 17,920 रुपए और 2,630-2,915 रुपए प्रति टिन पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का भाव 25 रुपए के सुधार के साथ 7,925 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 25 रुपए बढ़कर 9,175 रुपए प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला का भाव समीक्षाधीन सप्ताहांत में 25 रुपए की बढ़त दर्शाता 8,275 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सुधार के आम रुख के अनुरूप बिनौला तेल का भाव भी 25 रुपए सुधार के साथ 8,475 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

मसाला उद्योग वर्ष 2030 तक निर्यात के लिए नए बाजार तलाशे: गोयल

मुंबई । केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि मसाला उद्योग को वर्ष 2030 तक 10 अरब डॉलर के निर्यात लक्ष्य तक पहुंचने के लिए नए बाजार तलाशने, मौजूदा बाजारों को मजबूत करने और मूल्यवर्धित उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। गोयल ने विश्व मसाला कांग्रेस 2023 को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान में मसालों का हमारा कुल निर्यात चार अरब डॉलर का है। हमें कच्चे रूप में मसालों का निर्यात करने के बजाय मूल्यवर्धित उत्पादों पर ध्यान देना चाहिए। हमें नए बाजारों की खोज करके और मौजूदा बाजारों को मजबूत करके अधिक बाजार बनाने चाहिए। हमें मसाला क्षेत्र के लिए वर्ष 2030 तक 10 अरब डॉलर के निर्यात तक पहुंचने के लिए मूल्यवर्धित उत्पादों के लिए कारखाने बनाने पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कोविड महामारी के समय हल्दी की खपत में आई तेजी का जिक्र करते हुए कहा` कि अगर हम मूल्यवर्धित उत्पाद विकसित करके अपनी सारी ऊर्जा हल्दी पर केंद्रित करें, तो अकेले हल्दी निर्यात ही दो अरब डॉलर तक पहुंचने की क्षमता रखता है।

विदेशी निवेशकों ने सितंबर में अब तक शेयर बाजार से निकाले 4,768 करोड़ रुपए

मुंबई ।

अमेरिका में बॉन्ड पर प्रतिफल बढ़ने, मजबूत डॉलर और आर्थिक वृद्धि को लेकर चिंता के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने सितंबर के पहले पखवाड़े में भारतीय शेयर बाजारों से करीब 4,800 करोड़ रुपए की निकासी की है। इससे पहले एफपीआई मार्च से अगस्त तक लगातार छह माह भारतीय शेयरों में शुद्ध लिवाल रहे थे। इस दौरान उन्होंने 1.74 लाख करोड़ रुपए के शेयर खरीदे थे। बाजार के जानकारों ने कहा कि आने वाले दिनों में एफपीआई बिकवाल रह सकते हैं क्योंकि मूल्यांकन रिकॉर्ड उच्चस्तर पर है। उन्होंने कहा` कि अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल (10 साल के लिए 4.28 प्रतिशत) ऊंचे स्तर पर है और डॉलर सूचकांक भी 105 के ऊपर है। इसतरह से एफपीआई अभी और बिकवाली कर सकते हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस महीने 15 सितंबर तक शेयरों से 4,768 करोड़ रुपए निकाले हैं। इससे पहले अगस्त में शेयरों में एफपीआई का प्रवाह चार माह के निचले स्तर 12,262 करोड़ रुपए पर आ गया था। आंकड़ों के अनुसार समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड बाजार में 2,000 करोड़ रुपए डाले हैं। इस तरह चालू वित्तीय वर्ष में अब तक शेयरों में एफपीआई का निवेश 1.3 लाख करोड़ रुपए रहा है। वहीं बॉन्ड बाजार में उन्होंने 30,200 करोड़ रुपए से ज्यादा डाले हैं।

पंजाब में सस्ता हुआ पेट्रोल, राजस्थान में महंगा

- ब्रेंट क्रूड 93.93 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार कच्चे तेल की कीमतों में रविवार को कोई बदलाव नहीं किया गया है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 90.77 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 93.93 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के ताजा भाव जारी कर दिए हैं। रविवार को देश के अधिकांश राज्यों में पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। हालांकि, पंजाब में पेट्रोल 48 पैसे सस्ता हुआ है। वहीं राजस्थान में पेट्रोल की कीमत में 6 पैसे की बढ़ोतरी हुई है। उत्तर प्रदेश में पेट्रोल-डीजल की कीमत में 10 पैसे का इजाफा हुआ है। हिमाचल में भी पेट्रोल और डीजल महंगा हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 90.08 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.94 रुपए और डीजल 90.11 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.44 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

सितंबर के पहले 15 दिनों में घटी डीजल की बिक्री, पेट्रोल की बढ़ी

नई दिल्ली ।

भारत में डीजल बिक्री सितंबर के पहले 15 दिनों में घटी है। बारिश के कारण मांग घटने और देश के कुछ हिस्सों में इंडस्ट्रियल गतिविधियां धीमी होने से डीजल की मांग में लगातार दूसरे माह गिरावट आई है। पेट्रोलियम कंपनियों के आंकड़ों से इसकी जानकारी मिली है। तीन पेट्रोलियम कंपनियों की डीजल बिक्री में सितंबर के पहले 15 दिनों में सालाना आधार पर गिरावट आई, जबकि पेट्रोल की मांग में मामूली बढ़ोतरी हुई है। देश में सबसे अधिक इस्तेमाल वाले ईंधन डीजल की खपत सालाना आधार पर एक से 15 सितंबर के बीच 5.8 प्रतिशत गिरकर 27.2 लाख टन रही। अगस्त के पहले पखवाड़े में भी खपत में इसी अनुपात में गिरावट आई थी। हालांकि, मासिक आधार पर डीजल की बिक्री 0.9 प्रतिशत बढ़ी है। अगस्त के पहले 15 दिनों में डीजल की बिक्री 27 लाख टन रही थी। डीजल की बिक्री आमतौर पर मानसून के महीनों में गिरती है, क्योंकि बारिश के कारण कृषि क्षेत्र में मांग कम होती है। सिंचाई, कटाई और परिवहन के लिए इस ईंधन का इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा बारिश के कारण वाहनों की आवाजाही भी कम होती है। अप्रैल और मई में डीजल की खपत क्रमशः 6.7 फीसदी और 9.3 फीसदी बढ़ी थी। इसकारण उस समय खेती के लिए डीजल की मांग में उछाल आया था। इसके अलावा गर्मी से बचाव के लिए वाहनों में एयर कंडीशनर का इस्तेमाल बढ़ा था। हालांकि, मानसून के आगमन के बाद जून के दूसरे पखवाड़े से डीजल की मांग घटने लगी थी। जुलाई के पहले पखवाड़े में इसमें गिरावट आई थी, लेकिन उस महीने के दूसरे पखवाड़े में इसमें तेजी रही थी। पेट्रोल की मांग भी सितंबर के पहले पखवाड़े में पिछले साल की समान अवधि से 1.2 प्रतिशत बढ़कर 13 लाख टन रही। अगस्त के पहले पखवाड़े में इसमें 8 फीसदी की गिरावट आई थी। आंकड़ों के अनुसार, मासिक आधार पर सितंबर में पेट्रोल की बिक्री 8.8 फीसदी बढ़ी है। हवाई यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इससे विमान ईंधन यानी एटीएफ की मांग सितंबर के पहले 15 दिनों में 6.8 प्रतिशत बढ़कर 2,92,500 टन पर पहुंच गई है। सितंबर 2021 के पहले पखवाड़े की तुलना में यह 53.9 फीसदी अधिक रही है। हालांकि, सितंबर 2109 से यह पांच फीसदी कम है। मासिक आधार पर जेट ईंधन की बिक्री 1.8 प्रतिशत घटी है। एक से 15 अगस्त 2023 के दौरान एटीएफ की बिक्री 2,98,000 टन रही थी। रसोई गैस या एलपीजी की बिक्री समीक्षाधीन अवधि में सालाना आधार पर 10.2 प्रतिशत बढ़कर 13.6 लाख टन पर पहुंच गई।

हाजमोला और ओडोमोस को अपना पावर ब्रांड बना सकती है डाबर

नई दिल्ली ।

दैनिक उपयोग का सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली कंपनी डाबर अपने पाचक ब्रांड हाजमोला और मच्छर भगाने वाले ब्रांड ओडोमोस को अपने 'पावर' ब्रांड की सूची में शामिल करने पर विचार कर रही है। डाबर के एफएमसीजी मंच में वर्तमान में नौ अलग-अलग पावर ब्रांड शामिल हैं। आठ भारत में और एक विदेशी बाजार में है। इनका कंपनी की कुल बिक्री में 70 प्रतिशत योगदान है। डाबर के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने पिछले सप्ताह निवेशक बैठक में कहा कि वर्तमान में डाबर के पास 17 ब्रांड हैं जो 100 करोड़ रुपए से अधिक के हैं, लेकिन ये 500 करोड़ रुपए से कम हैं। उन्होंने कहा` कि हमारे पास 17 ब्रांड हैं, जो 100-500 करोड़ रुपए के दायरे में हैं। भविष्य इन्हीं ब्रांड का है और हम इनका विस्तार करेंगे। पांच साल पहले ये सभी 100 करोड़ रुपए से कम कीमत के ब्रांड थे। डाबर इन ब्रांड का विस्तार करेगी, जिनकी पहले से ही बाजार में अच्छी पहुंच है। उन्होंने कहा कि उदाहरण के लिए हाजमोला हम इसे एक पावर ब्रांड बनाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, यह अभी उस पैमाने तक नहीं पहुंचा है। अभी यह हमारे लिए 350-400 करोड़ रुपए का ब्रांड है। हम इसे पावर ब्रांड बनाने की कोशिश कर रहे हैं। ओडोमोस' के लिए भी यही सोच है। यह अब भी एक पावर ब्रांड नहीं है। हम इसे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं।

ब्रिटेन में आगंतुकों और छात्रों का वीजा शुल्क बढ़ा

- नई व्यवस्था 4 अक्टूबर से प्रभावी होगी

लंदन ।

ब्रिटेन की सरकार ने भारत से हित दुनिया भर से देश में आने वाले आगंतुकों एवं छात्रों के लिए वीजा शुल्क बढ़ाने की घोषणा की है और यह बढ़ोतरी आगामी चार अक्टूबर से प्रभावी होगी। आगंतुकों को अब छह महीने से कम अवधि वाले दौरे के वीजा के लिए 15 पाउंड और छात्र वीजा के लिए 127 पाउंड अधिक खर्च करने होंगे। हाल ही में संसद में पेश किए गए अध्यादेश के बाद ब्रिटेन के गृह विभाग ने कहा कि बदलावों का मतलब है कि छह महीने से कम समय के दौरे के वीज़ा की लागत बढ़कर 115 पाउंड हो जाएगी और छात्र वीज़ा के आवेदकों को अब 490 पाउंड खर्च करना होगा।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने जुलाई में घोषणा की थी कि देश के सार्वजनिक क्षेत्र की वेतन वृद्धि को पूरा करने के लिए वीजा आवेदकों द्वारा ब्रिटेन की वित्त पोषित राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) के लिए भुगतान की जाने वाली फीस और स्वास्थ्य अधिभार में बड़ी वृद्धि होने वाली है।

सुनक ने उस वक्त कहा था कि हम इस देश में आने वाले प्रवासियों के वीजा के लिए आवेदन करने पर लगने वाले शुल्क को बढ़ाने जा रहे हैं। इसे वस्तुतः आव्रजन स्वास्थ्य अधिभार (आईएचएस) कहा जाता है, जो एक प्रकार का लेवी (शुल्क) है जिसका वे एनएचएस तक पहुंचने के लिए भुगतान करते हैं। ब्रिटेन के गृह विभाग ने इस हफ्ते अधिकांश कार्य एवं यात्रा वीजा की लागत में 15 प्रतिशत की वृद्धि और प्राथमिकता वाले वीजा, अध्ययन वीजा और प्रायोजन के प्रमाण पत्र की लागत में कम से कम 20 प्रतिशत की वृद्धि का संकेत दिया था। शुल्क में बढ़ोतरी स्वास्थ्य और देखभाल वीजा सहित अधिकांश वीज़ा श्रेणियों पर लागू की गई है।

डीजल से चलने वाली नई कारों का दौर अभी और जारी रहेगा: टाटा मोटर्स

मुंबई ।

टाटा मोटर्स का कहना है कि डीजल से चलने वाली नई कारों का दौर अभी और जारी रहेगा। यह अपनी मौजूदा मॉडल एल्टोज, हैरियर, सफारी और नेक्सॉन का डीजल वर्जन लाना जारी रखेगी। डीजल वैरिएंट्स कब तक आएगा, इसे लेकर टाटा मोटर्स के एमडी (पैसेंजर वेईकल्स और पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी) शैलेश चंद्र का कहना है कि जब तक बाजार में इसकी मांग रहेगी और इस पर सरकार की तरफ से रोक नहीं लगती है। शैलेश के मुताबिक कंपनी का लक्ष्य 2040 तक नेट जीरो होने का है यानी कि इलेक्ट्रिक व्हीकल्स को जल्द से जल्द अपनाना होगा लेकिन हजारों लोग डीजल वर्जन खरीदना चाह रहे हैं तो कंपनी इसका उत्पादन जारी रखेगी। शैलेश चंद्र की टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब कुछ दिन पहले केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने ऑटो इंडस्ट्री को डीजल से चलने वाली गाड़ियों को उत्पादन बंद करने को कहा था। उन्होंने कहा कि वह वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से सभी प्रकार की डीजल गाड़ियों पर 10 फीसदी का अतिरिक्त टैक्स लगाने का अनुरोध करेंगे। हालांकि आधे ही घंटे में नितिन गडकरी ने स्पष्ट कर दिया कि फिलहाल इस प्रकार के किसी प्रस्ताव पर विचार नहीं हो रहा है। शैलेश चंद्र का कहना है कि इससे पहले डीजल से चलने वाली कई यात्री गाड़ियां चरणबद्ध तरीके से मार्केट से बाहर हो चुकी हैं। अब आगे की बात करें तो जब नियम इतने सख्त हो जाएं कि मौजूदा पावरट्रेन मौजूद न रह सकें तो टाटा मोटर्स भी इसे अपनाएगी। टाटा मोटर्स की मौजूदा डीजल गाड़ियों की बात करें तो अभी कुछ ही सेगमेंट में इसके डीजल मॉडल हैं और बीएस-6 के बाद इनके दबाव में आने के आसार हैं। इस प्रकार मार्केट की जरूरतों और सरकारी नियमों से डीजल गाड़ियों का भविष्य तय होगा। महिंद्रा एंड महिंद्रा और टोयोटा मोटर पहले ही कह चुकी हैं वे डीजल इंजन वाली गाड़ियों को अभी बंद नहीं करेंगी।

एशिया कप पर भारत की बादशाहत...

- गेंदबाजों के दम पर श्रीलंका को ढाई घंटे में ऐसे चटाई धूल

-भारतीय टीम ने 8वीं बार एशिया कप का खिताब अपने नाम किया

कोलंबो (एजेंसी)। रविवार यानी 17 सितंबर की तारीख क्रिकेट इतिहास में दर्ज हो गई है। इस दिन भारतीय टीम और श्रीलंका के बीच ऐतिहासिक एशिया कप फाइनल खेला गया। मैच में भारतीय टीम ने 10 विकेट से जीत दर्ज कर 8वीं बार खिताब अपने नाम किया और एक बार फिर अपनी बादशाहत कायम की।

मुकाबला श्रीलंका के ही मैदान पर यानी कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला गया। खिताबी मुकाबले में टॉस भी श्रीलंका ने ही जीता था। हर बात मेजबान के पक्ष में ही जा रही थी। मगर भारतीय तेज गेंदबाजी ने पूरी बाजी और फेवर को ही पलट दिया। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के आगे श्रीलंका की टीम ताश के पत्तों की तरह बिखरती नजर आई।

सिराज की कहर बरपाती गेंदबाजी के आगे श्रीलंकाई टीम 15.2 ओवर ही खेल सकी और 50 रनों पर आकर सिमट गयी। यह वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट इतिहास में किसी भी टूर्नामेंट के फाइनल में सबसे छोटा स्कोर रहा है। यह शर्मनाक रिकॉर्ड अब श्रीलंका के नाम दर्ज हो गया है। मेजबान श्रीलंका ने इस शर्मनाक रिकॉर्ड के साथ खिताब गंवा दिया है। भारतीय टीम ने ओवरऑल सबसे ज्यादा 8वीं बार एशिया कप खिताब अपने नाम किया है। जबकि श्रीलंका ने 5 बार खिताब जीता।

ढाई घंटे चले मैच में भारत की 10 विकेट से जीत

51 रनों के टारगेट के जवाब में भारतीय टीम की ओर से ईशान किशन और शुभमन गिल ओपनिंग में मोर्चा संभाला था। कप्तान रोहित शर्मा इस बार बैटिंग के लिए नहीं उतरे। ईशान और गिल ने नाबाद रहते हुए टीम को 10 विकेट से हराया। मैच में गिल 27 और ईशान 23 रन बनाकर नाबाद रहे। भारतीय टीम ने 6.1 ओवर में ही मैच जीत लिया। यह मैच करीब ढाई घंटे ही चला।

सिराज के वनडे में 50 विकेट पूरे, बनाए ये रिकॉर्ड

इसके बाद मोहम्मद सिराज ने पारी का छठा ओवर किया। इस ओवर में भी उन्होंने बड़ा विकेट झटका। सिराज ने श्रीलंकाई कप्तान दासुन शनाका को क्लीन बोल्ड किया। सिराज ने इस तूफानी गेंदबाजी के बदौलत इसी मैच में अपने वनडे में 50 विकेट पूरे कर लिए हैं। सिराज वनडे में शुरुआती 50 विकेट लेने वाले दुनिया के दूसरे गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने सबसे तेज 1002 गेंदों पर यह उपलब्धि हासिल की। इस रिकॉर्ड के मामले में श्रीलंका के ही अजंता मेंडिस टॉप पर काबिज हैं। उन्होंने अपने वनडे करियर में 847 गेंदों पर शुरुआती 50 विकेट झटक लिए हैं। सिराज ऐसे पहले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं जिन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में एक ओवर में चार विकेट हासिल किए। साथ ही तेज गेंदबाज सिराज इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे तेज पांच विकेट हॉल लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। सिराज ने 16 गेंदों में ही अपने पांच विकेट पूरे किए। सिराज ने दासुन शनाका को अपना पांचवां शिकार बनाया।

रोहन बोपन्ना ने जीत के साथ डेविस कप को अलविदा कहा, भारत ने मोरक्को को 3-1 से हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोहन बोपन्ना ने युकी भांबरी के साथ पुरुष युगल में सीधे सेटों में आसान जीत दर्ज करके डेविस कप में अपने करियर का शानदार अंत किया जबकि सुमित नागल ने अपना उलट एकल मैच भी जीता जिससे भारत ने रविवार को यहां मोरक्को को विश्व ग्रुप दो के मुकाबले में 3-1 से शिकस्त दी।

डेविस कप में अपना 33वां और अंतिम मुकाबला खेल रहे 43 वर्षीय बोपन्ना और भांबरी ने मोरक्को के इलियट बेनचेट्रिट और यूनुस लालामी लारौसी को एक घंटे 11 मिनट तक चले मैच में 6-2, 6-1 सेपराजित किया। नागल ने पहले उलट एकल में यासीन दलीमी को 6-3, 6-3 से हराया। दूसरे उलट एकल मैच में दिग्विजय प्रताप सिंह उतरेंगे जो कि औपचारिकता मात्र रह गया है। दिग्विजय का डेविस कप में यह पहला मैच होगा। यह केवल दूसरा अवसर है जबकि नागल ने डेविस कप के किसी मुकाबले में अपने दोनों एकल मैच जीते।

इससे पहले उन्होंने 2019 में कजाखस्तान में पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए मुकाबले में यह कारनामा किया था। नागल ने दोनों सेट में शुरू में ब्रेक प्वाइंट हासिल किये और फिर दलीमी को वापसी का मौका नहीं दिया। इस जीत से भारत अगले साल होने वाले विश्व ग्रुप एक के प्लेऑफ में पहुंच गया है। बोपन्ना काफी भावुक थे और उन्होंने कोर्ट पर ही भारतीय टीम की अपनी शर्ट उतार दी जिससे उनके डेविस कप करियर का भी अंत हो गया। उन्होंने अपने करियर में 33 मैच खेले जिनमें से 23 मैचों में जीत दर्ज की।

इनमें 13 युगल मैच भी शामिल हैं। इस मैच को देखने के लिए बोपन्ना के लगभग 50 परिजन और मित्र भी आ रखे थे। उन्होंने अपने प्रशंसकों का आभार व्यक्त किया।बोपन्ना के परिजनों और दोस्तों ने जो टीशर्ट पहन रखी थी उस पर इस खिलाड़ी की तिरंगा लहराते हुए तस्वीर प्रिंट की गई थी। यूनुस पूरे मैच में एक बार भी अपनी सर्विस नहीं बचा पाए जबकि भारतीय टीम को केवल एक बार ब्रेक प्वाइंट का सामना करना पड़ा जब भांबरी सर्विस कर रहे थे। भारतीय टीम ने यह ब्रेक प्वाइंट भी बचा दिया था।

भारतीय टीम ने यूनुस की सर्विस तोड़कर शुरुआती बढ़त हासिल की। जब स्कोर 30 -15 था तब भांबरी के बैंक हैंड रिटर्न पर यूनुस ने नेट पर गेंद खेल दी। इसके बाद भांबरी ने वॉली विनर लगाकर पहला ब्रेक प्वाइंट हासिल किया। बेनचेट्रिट ने भांबरी के रिटर्न पर शॉट लगाया लेकिन वह बाहर चला गया जिससे भारत ने 3-1 से बढ़त हासिल की। बोपन्ना ने अगले गेम में अपनी सर्विस बचाकर स्कोर 4-1 कर दिया। भारतीय जोड़ी ने इसके बाद फिर से यूनुस को निशाना बनाया और उनकी सर्विस आसानी से तोड़ दी। भारत ने पहला सेट 34 मिनट में जीता।बोपन्ना ने दूसरे सेट में भी अपनी सर्विस का शानदार नमूना पेश किया लेकिन तीसरे गेम में भांबरी की सर्विस पर मोरक्को की टीम ने एक ब्रेक प्वाइंट हासिल किया। भारतीय टीम हालांकि इसे बचाने में सफल रही। यूनुस ने चौथे गेम में अपनी सर्विस पर स्कोर 40-0 कर दिया था लेकिन इसके बाद उनका अपनी सर्विस पर नियंत्रण नहीं रहा। उन्होंने डबल फाल्ट के अलावा बेजा गलतियां भी की और अपनी सर्विस गंवा दी। भारत ने भांबरी की सर्विस पर यह सेट और मैच जीता।

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए बांग्लादेश टीम का ऐलान, प्रमुख खिलाड़ियों को दिया आराम

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने वन डे सीरीज में अपने महत्वपूर्ण खिलाडियों को आराम देने का फैसला किया है। बता दें कि बांग्लादेश ने इस महीने के अंत में न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान में पहले दो एकदिवसीय (वनडे) के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम का ऐलान किया है। आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 को ध्यान में रखते हुए बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले दो वनडे मैचों के लिए ये निर्णय लिया है। आईसीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि शाकिब अल हसन की अनुपस्थिति में लिटन दास बांग्लादेश टीम के कप्तान का भार संभालेंगे।

जिन खिलाडियों को आराम दिए गए उनमें मुश्फिकुर रहीम, मेहदी हसन मिराज और तस्कीन अहमद, हसन महमूद और शोरफुल इस्लाम की पेस बैटरी शामिल हैं। इन खिलाडियों को आराम दिए जाने के बावजूद बांग्लादेश टीम को तमीम इकबाल, महमूद उल्लाह, सौम्य सरकार और नुरुल हसन सोहन की वापसी से अनुभव की कोई कमी नहीं होगी। बांग्लादेशी टाइगर्स में तीन अनकैप्ड खिलाडियों को टीम में जगह दी है जिनमें साउथपॉ जाकिर हसन, तेज गेंदबाज खालिद अहमद और लेग स्पिनर रिशाद हुसैन हैं। तीनों खिलाड़ी एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान डेब्यू के लिए उतारे जा सकते हैं।

ऑस्ट्रेलियाई टीम के स्मिथ, मैक्सवेल और स्टार्क खेलेंगे भारत के खिलाफ श्रंखला

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई टीम के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ, ऑल राउंडर ग्लेन मैक्सवेल और तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क भारत के खिलाफ मैच खेलेंगे। गौरतलब है कि भारत के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया की 18 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। यह तीनों खिलाड़ी चोटों से उबर रहे थे जिसके कारण दक्षिण अफ्रीकी दौरे पर नहीं जा पाए थे। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज ट्रेविस हेड के दाहिने हाथ में दक्षिण अफ्रीकी दौरे के दौरान फ्रैक्चर हो गया था। उनकी जगह मैथ्यू शॉर्ट को टीम में लिया गया है जिन्होंने अभी तक वनडे में पदार्पण नहीं किया है। एरोन हार्डी, टिम डेविड और माइकल नेसर को भी टीम में नहीं लिया गया है, जबकि ऑलराउंडर एश्टन एगर पितृत्व अवकाश पर हैं। तेज गेंदबाज स्पेंसर जॉनसन को टीम में बनाए रखा गया है जबकि अनुभवी बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन ने भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले दो वनडे मैचों में नाबाद 80 और 124 रन बनाने की बदौलत अपनी जगह बरकरार रखी है।

बता दें कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे मैच मोहाली, इंदौर और राजकोट में क्रमशः 22, 24 और 27 सितंबर को खेले जाएंगे। भारत के खिलाफ वनडे श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम में पैट कमिंस (कप्तान), सीन एबॉट, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश हेज़लवुड, जोश इंगलिस (विकेटकीपर), स्पेंसर जॉनसन, मार्नस लाबुशेन, मिशेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, तनवीर सांघा, मैथ्यू शॉर्ट, स्टीवन स्मिथ, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, डेविड वार्नर और एडम जम्पा शामिल हैं।

ऑलराउंडर के रुप में टीम के लिए बेहतर खिलाड़ी बने हार्दिक : बांगड़

कोलंबो । पिछले कुछ वर्षों में हार्दिक पंड्या खुद को ऑलराउंडर साबित कर चुके हैं और भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ का मानना है कि इस क्रिकेटर की उपस्थिति से टीम को काफी संतुलन मिलता है और विश्वकप में उनकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होगी। हार्दिक को बांग्लादेश के खिलाफ सुपर फोर मैच में विश्राम दिया गया था लेकिन वह श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में वापसी कर रहे हैं। बांगड़ ने कहा कि वह पिछले कुछ वर्षों में काफी परिपक्व हुआ है। पहले फिटनेस के कारण पाड़या को कुछ परेशानियां हुई थी लेकिन आज वह जिस मुकाम पर है वहां पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत की। वह अब अपनी जिम्मेदारी बहुत अच्छी तरह से निभा रहा है और भारत की टी20 टीम का कप्तान है। एक ऑलराउंडर होने के कारण वह टीम को काफी संतुलन प्रदान करता है। हार्दिक विश्व कप में जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के साथ तीसरे तेज गेंदबाज की भूमिका भी निभाएंगे और बांगड़ का मानना है कि इससे भारतीय गेंदबाजी आक्रमण संपूर्ण नजर आता है। उन्होंने कहा कि विश्वकप के लिए हमारे पास सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आक्रमण है। हमारे पास बुमराह और सिराज के रूप में नई गेंद के दो शानदार गेंदबाज हैं और इसके अलावा अनुभवी मोहम्मद शमी टीम में है। विकेट लेने के विकल्प के रूप में हमारे पास कुलदीप यादव है।

एशियाई खेलों में चुनौती पेश करने जा रहीं भारत की 'सुपर मॉम'

लंदन (एजेंसी)। किसी भी मां के लिए बच्चे को जन्म देने के बाद काम पर लौटना एक कठिन काम है लेकिन बड़ी संख्या में भारतीय महिला खिलाड़ी अब प्रतिस्पर्धा जारी रखकर रूढ़िवादिता को तोड़ रही हैं। भारत में मां बनने के बाद खेल जारी रखने वाली सबसे प्रसिद्ध 'सुपर मॉम' शायद दिग्गज मुक्केबाज मेरीकोम और छह बार की ग्रैंड स्लैम विजेता सानिया मिर्जा हैं।

पीटीआई उन भारतीय माताओं पर एक नजर डाल रही है जो 23 सितंबर से शुरू होने वाले हांगझोउ एशियाई खेलों में प्रतिस्पर्धा करेंगी।

दीपिका पल्लीकल (स्क्वाश): भारतीय स्क्वाश की 'पोस्टर गर्ल' दीपिका पल्लीकल देश के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। उन्होंने जोशना चिनप्पा के साथ मिलकर 2014 में ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में स्क्वाश में भारत का पहला स्वर्ण पदक जीता। उनकी अन्य उपलब्धियों में विश्व रैंकिंग में शीर्ष 10 में जगह बनाने वाली पहली भारतीय महिला बनने के अलावा विश्व चैंपियनशिप, राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों में कई पदक जीतना भी शामिल है। अक्टूबर 2021 में उनके और उनके पति भारतीय क्रिकेटर दिनेश कार्तिक के घर जुड़वां लड़कों - कबीर और जियान का जन्म हुआ। इसके कुछ महीने बाद दीपिका ने स्क्वाश कोर्ट पर वापसी की और बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में मिश्रित युगल में कांस्य पदक जीता। उम्मीद है कि हांगझोउ एशियाई खेलों में दीपिका मिश्रित युगल स्पर्धा में भाग लेंगी और संभवत- यह उनके अंतिम एशियाई खेल होंगे।

कोनेरू हंपी (शतरंज): यह ग्रैंडमास्टर भारत की बेहतरीन शतरंज खिलाड़ियों में से एक है। वह 2002 में 15 साल, एक महीने, 27 दिन की उम्र में ग्रैंडमास्टर खिताब हासिल करने वाली सबसे कम उम्र की महिला बनीं और 2600 ईएलओ रेटिंग अंक को पार करने वाली दूसरी महिला बनीं। हंपी ने 2017 में अपनी बेटी अहाना को जन्म दिया जिसके बाद उन्होंने मातृत्व ब्रेक लिया। वह दो साल बाद वापसी करते हुए 2019 में महिला विश्व रेपिड चैंपियन बनीं और फिडे महिला ग्रां प्री 2019-21 सत्र में उपविजेता रहीं। यह 36 वर्षीय खिलाड़ी हांगझोउ में एकल के साथ-साथ टीम स्पर्धा में भी भाग लेगी। हरिका

द्रोणावल्ली (शतरंज): यह भारतीय ग्रैंडमास्टर विश्व चैंपियनशिप की तीन बार की पदक विजेता है। यह 32 वर्षीय खिलाड़ी दुनिया भर की महिलाओं के लिए एक प्रेरणा है। हरिका पिछले साल गर्भावस्था के नौवें महीने में बेहद दबाव वाले टूर्नामेंट शतरंज ओलंपियाड में खेली थीं। एशियाई खेलों की तैयारी के लिए वह तैयारी शिविरों के दौरान अपने साथियों के साथ ऑनलाइन जुड़ेगी। हंपी, आर वैशाली, तानिया सचदेव और भक्ति कुलकर्णी के साथ हरिका ने शतरंज ओलंपियाड में महिला टीम स्पर्धा का कांस्य पदक जीता जो महिला वर्ग में भारत का पहला पदक था। इसके कुछ दिनों बाद उनके यहां बेटी हनविका ने जन्म लिया। वह 2010 के ग्वांझू खेलों के व्यक्तिगत कांस्य पदक में एशियाई खेलों का एक और पदक जोड़ना चाहेंगी।

मनप्रीत कौर (गोला फेंक): मनप्रीत कौर महिलाओं की गोला फेंक स्पर्धा में भाग लेंगी। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक मनप्रीत ने 2010 में दिल्ली राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। फिर उन्होंने अपनी शादी और बेटी जसनूर के जन्म के लिए तीन साल का ब्रेक लिया। वह 2016 में प्रतिस्पर्धी प्रतियोगितओं में लौटीं और अपने खेल में रियो 2016 ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली एकमात्र भारतीय महिला बनीं। मनप्रीत पर जुलाई 2017 में चार साल का डोपिंग प्रतिबंध लगाया गया था। लेकिन उन्होंने पिछले साल मजबूत वापसी करते हुए गोले को 18.06 मीटर की दूरी तक फेंककर न केवल अपना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया बल्कि गोला फेंक में 18 मीटर की दूरी को पार करने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी भी बन गईं।

तेजस्विनी और ग्रेबनेव बने टाटा स्टील एशियन शतरंज चैम्पियन

जमशेदपुर । भारत की जी तेजस्विनी और रूस के ग्रेबनेव अलेक्सी नें टाटा स्टील एशियन जूनियर शतरंज चैंपियनशिप में बालिका वर्ग का खिताब जीत लिया है। इसके अलावा भारत नें बालिका वर्ग के तीनों पदक तथा बालक वर्ग के 2 पदक

हासिल करते हुए कुल 6 में से 5 पदक जीतकर सर्वश्रेष्ठ देश होने का भी खिताब अपने नाम किया। बालिका वर्ग में सबसे आगे चल रही जी तेजस्विनी नें अंतिम राउंड में हमवतन मोनिका अक्षया से बाजी ड्रॉ खेलते हुए 7.5 अंको के साथ अपना पहला स्थान सुनिश्चित कर लिया, इसके साथ ही की जी तेजस्विनी को एक ग्रांड मास्टर नार्म मिला तो आज से वह महिला इंटरनेशनल मास्टर भी बन गयी। वहीं 7 अंक बनाकर भारत की ब्रिसटी मुखर्जी दूसरे तो 6.5 अंको पर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर मोनिका अक्षया तीसरे स्थान पर रही और तीनों नें क्रमश : स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक अपने नाम किए। बालक वर्ग में पहले बोर्ड पर भारत के आयुष शर्मा और रोहित कृष्णन के बाजी ड्रॉ रखी और ऐसे में दोनों 6.5 अंको पर रह गए जबकि दूसरे बोर्ड पर रूस के ग्रेबनेव अलेक्सी और तीसरे बोर्ड पर भारत के अस्थव आर अपना मुक़ाबला जीतकर 7 अंको पर पहुँच गए पर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर ग्रेबनेव नें स्वर्ण पदक जीता तो अस्थव आर को रजत पदक मिला पर सयुंक्त पहले स्थान के चलते अस्थव आर अब इंटरनेशनल मास्टर बन गए है।6.5 अंको पर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर रोहित नें कांस्य पदक जीता तो आयुष चौथे स्थान पर ही रह गए।

डायमंड लीग फाइनल्स में खिताब से चूके नीरज चोपड़ा, दूसरे स्थान पर रहे

यूजीन (अमेरिका) (एजेंसी)। ओलंपिक और विश्व चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा डायमंड लीग फाइनल के अपने खिताब का बचाव करने में नाकाम रहे और शनिवार को यहां 83.80 मीटर के सामान्य प्रदर्शन के साथ दूसरे स्थान पर रहे। पिछले महीने विश्व चैंपियनशिप का स्वर्ण पदक जीतने वाले 25 साल के चोपड़ा को हेवर्ड फील्ड पर हुए फाइनल्स में जूझना पड़ा। उनके दो प्रयास फाउल रहे। उनका दिन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दूसरे प्रयास में आया।

उन्होंने पहले प्रयास में फाउल करने के बाद दूसरे प्रयास में भाले को 83.80 मीटर की दूरी तक फेंका। उनके अन्य प्रयास 81.37 मीटर, फाउल, 80.74 मीटर और 80.90 मीटर रहे। डायमंड लीग 13 चरण की एकदिवसीय प्रतियोगिता है। यह मौजूदा सत्र में चोपड़ा का 85 मीटर से कम का पहला प्रदर्शन है। उन्होंने तीसरे स्थान पर रहते हुए डायमंड लीग फाइनल्स के लिए क्वालीफाई किया था।

उन्होंने 2022 में ज्यूरिख में 88.44 मीटर के प्रयास के साथ डायमंड लीग फाइनल्स का खिताब जीता था। यहां हालांकि 25 डिग्री से कम तापमान और 45 प्रतिशत आर्द्रता के बीच कोई भी प्रतिस्पर्धी 85 मीटर की दूरी भी तय नहीं कर पाया। चेक गणराज्य के याकुब वाडलेच ने 84.24 मीटर के प्रयास के साथ तीसरी बार डायमंड लीग फाइनल्स का खिताब जीता। उन्होंने अपने छठे और अंतिम प्रयास में यह दूरी तय की। वह अपने पहले प्रयास में 84.01 मीटर की दूरी के साथ शुरुआत से ही छह खिलाड़ियों के बीच शीर्ष पर चल रहे थे।

बुडापेस्ट विश्व चैंपियनशिप में कांस्य और तोक्यो ओलंपिक में चोपड़ा से पिछड़ने के बाद रजत पदक जीतने वाले वाडलेच ने 2017 और 2018 में भी डायमंड लीग फाइनल्स के खिताब जीते हैं। फिनलैंड के ओलिवर हेलेंडर ने 83.74 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। दो बार के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स का लचर प्रदर्शन जारी रहा और वह 74.71 मीटर के प्रयास से अंतिम स्थान पर रहे। वाडलेच को डायमंड लीग ट्रॉफी और 32 हजार डॉलर की इनामी राशि मिली। चोपड़ा को दूसरे स्थान पर रहने के लिए 12 हजार डॉलर मिले।

चोपड़ा से जब भारतीय एथलेटिक्स में उनके प्रभाव के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के बाद उनमें (भारतीयों में) भी विश्वास जगा कि वे भी जीत सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'मैं बुडापेस्ट में था (विश्व चैंपियनशिप के लिए), मैंने वहां स्वर्ण पदक जीता और इससे भी भारतीय एथलेटिक्स में कुछ बदलाव आएगा।' चोपड़ा इसी स्थल पर 2022 में विश्व चैंपियनशिप में दूसरे स्थान पर रहे थे। चोपड़ा का निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.94 मीटर जबकि सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 88.77 मीटर है। उन्होंने पिछले महीने विश्व चैंपियनशिप में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने से पूर्व पांच मई को दोहा और 30 जून को लुसाने में दो व्यक्तिगत डायमंड लीग स्पर्धाएं जीती थी।

बुडापेस्ट में 88.17 मीटर के प्रयास के साथ विश्व खिताब जीतने के बाद वह ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप दोनों खिताब हासिल करने वाले इतिहास के केवल

तीसरे भाला फेंक खिलाड़ी बने थे। विश्व चैंपियनशिप का खिताब जीतने के कुछ ही दिनों बाद उन्होंने 31 अगस्त को डायमंड लीग के ज्यूरिख चरण में प्रतिस्पर्धा की जहां वह वाडलेच के बाद दूसरे स्थान पर रहे। चोपड़ा अब इसी महीने शुरू होने वाले हांगझोउ एशियाई खेलों में हिस्सा लेंगे जहां वह इंडोनेशिया में 2018 में जीते गए स्वर्ण का बचाव करेंगे।

उन्होंने कहा, 'मुझे चीन में एशियाई खेलों के रूप में एक और प्रतियोगिता में हिस्सा लेना है।' चोपड़ा ने कहा, 'बड़ी प्रतियोगिताओं में यह मानसिकता पर निर्भर करता है, हमें खुद को तैयार करने की जरूरत नहीं है। जब हम स्टेडियम में प्रवेश करते हैं तो हमारा दिमाग तैयार रहता है और शरीर प्रतियोगिता के लिए तैयार हो रहा होता है।' प्रतिभागियों के साथ संबंध पर उन्होंने कहा, 'मुझे इन खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करना पसंद है, सभी अच्छे दोस्त हैं और हम सभी काफी अच्छी तरह प्रतिस्पर्धा करते हैं।'

एसीसी और एसएलसी ने क्यूरेटर और मैदानकर्मियों के लिए 50 हजार डॉलर के पुरस्कार की घोषणा की

नई दिल्ली। मानसून सत्र के बीच कोलंबो और पाल्लेकल में मैदानों को एशिया कप के लिए तैयार करने वाले मैदानकर्मियों की पूरी टीम को एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने रविवार को 50 हजार डॉलर की पुरस्कार राशि देने की घोषणा की। शाह ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, ''क्रिकेट के गुमनाम नायकों को सलाम! एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) और श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) को कोलंबो और कैंडी में समर्पित क्यूरेटर और मैदानकर्मियों के लिए 50 हजार अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है।'' यह राशि श्रीलंका रुपये में लगभग एक करोड़ 60 लाख रुपये होती है। शाह ने लिखा, ''उनकी प्रतिबद्धता और कड़ी मेहनत ने एशिया कप 2023 को एक अविस्मरणीय टूर्नामेंट बना दिया। पिच की उत्कृष्टता से लेकर हरे-भरे आउटफील्ड तक, उन्होंने सुनिश्चित किया कि रोमांचक क्रिकेट एक्शन के लिए मंच तैयार रहे।'' उन्होंने कहा, ''यह मान्यता क्रिकेट की सफलता में इन व्यक्तियों की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाती है आइए उनकी सेवाओं का जश्न मनाएं और उनका सम्मान करें!'' टूर्नामेंट की मेजबानी पाकिस्तान को करनी थी लेकिन भारत पड़ोसी देश में खेलने का इच्छुक नहीं था और ऐसे में एसीसी को 'हाइब्रिड मॉडल' पर टूर्नामेंट आयोजित करने के लिए मजबूर होना पड़ा जिसमें श्रीलंका को नौ मैचों की मेजबानी मिली। हालांकि श्रीलंका में मौसम की स्थिति एक चुनौती बन गई, विशेषकर क्यूरेटर और मैदानकर्मियों को लिए क्योंकि वे मैदान को समय पर तैयार करने के लिए लगातार संघर्ष कर रहे थे। पाल्लेकल चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ भारत का शुरुआती मैच बारिश की भेंट चढ़ गया जबकि कुछ अन्य मुकाबलों का फैसला डकवर्थ-लुईस पद्धति से हुआ।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हरतालिका तीज

हरतालिका तीज व्रत भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया को किया जाता है। इस दिन वैवाहिक जीवन की लंबी आयु की कामना के लिए यह व्रत किया जाता है। यह व्रत विशेष रूप से विवाहित स्त्रियों के द्वारा किया जाता है। इस दिन उपवास कर भगवान शंकर-पार्वती की बालू से मूर्ति बनाकर पूजा की जाती है। स्वच्छ वस्त्र धारण किए जाते हैं तथा कदली स्तम्भों से घर को सजाया जाता है। इसके बाद उत्तम भजनों से रतजगा किया जाता है। इस व्रत को करने वाली स्त्रियों को मां पार्वती के समान सुख प्राप्त होता है। यह व्रत करने के लिए सुहागन स्त्रियों को व्रत के दिन प्रातः जल्दी उठ कर स्नानादि कर शुद्ध होकर व्रत का संकल्प लेना चाहिए। इस दिन भगवान शंकर व माता पार्वती जी की पूजा की जाती है। इस व्रत को बगैर जल लिए किया जाता है। व्रत के दिन माता का पूजन धूप, दीप व फूलों से करना चाहिए एवं अंत में व्रत की कथा सुननी चाहिए और घर के बड़ों से आशीर्वाद प्राप्त करना चाहिए।

व्रत कथा

एक बार भगवान शिव ने पार्वतीजी को उनके पूर्व जन्म का स्मरण कराने के उद्देश्य से इस व्रत के माहात्म्य की कथा कही थी।

श्री भोलेशंकर बोले- हे गौरी! पर्वतराज हिमालय पर स्थित गंगा के तट पर तुमने अपनी बाल्यावस्था में बारह वर्षों तक अधोमुखी होकर घोर तप किया था। इतनी अवधि तुमने अन्न न खाकर पेड़ों के सूखे पत्ते चबा कर व्यतीत किए। माघ की विक्राल शीतलता में तुमने निरंतर जल में प्रवेश करके तप किया। वैशाख की जला देने वाली गर्मी में तुमने पंचाग्नि से शरीर को तपाया। श्रावण की मूसलधार वर्षा में खुले आसमान के नीचे बिना अन्न-जल ग्रहण किए समय व्यतीत किया।

तुम्हारे पिता तुम्हारी कष्ट साध्य तपस्या को देखकर बड़े दुखी होते थे। उन्हें बड़ा क्लेश होता था। तब एक दिन तुम्हारी तपस्या तथा

पिता के क्लेश को देखकर नारदजी तुम्हारे घर पधारे। तुम्हारे पिता ने हृदय से अतिथि सत्कार करके उनके आने का कारण पूछा।

नारदजी ने कहा- गिरिराज! मैं भगवान विष्णु के भेजने पर यहां उपस्थित हुआ हूं। आपकी कन्या ने बड़ा कठोर तप किया है। इससे प्रसन्न होकर वे आपकी सुपुत्री से विवाह करना चाहते हैं। इस संदर्भ में आपकी राय जानना चाहता हूं।

नारदजी की बात सुनकर गिरिराज गद?गद हो उठे। उनके तो जैसे सारे क्लेश ही दूर हो गए। प्रसन्नचित होकर वे बोले- श्रीमान?! यदि स्वयं विष्णु मेरी कन्या का वरण करना चाहते हैं तो भला मुझे क्या आपत्ति हो सकती है। वे तो साक्षात ब्रह्म हैं। हे महर्षि! यह तो हर पिता की इच्छा होती है कि उसकी पुत्री सुख-सम्पदा से युक्त पति के घर की लक्ष्मी बने। पिता की सार्थकता इसी में है कि पति के घर जाकर उसकी पुत्री पिता के घर से अधिक सुखी रहे।

तुम्हारे पिता की स्वीकृति पाकर नारदजी विष्णु के पास गए और उनसे तुम्हारे ब्याह के निश्चित होने का समाचार सुनाया। मगर इस विवाह संबंध की बात जब तुम्हारे कान में पड़ी तो तुम्हारे दुख का ठिकाना न रहा।

तुम्हारी एक सखी ने तुम्हारी इस मानसिक दशा को समझ लिया और उसने तुमसे उस विक्षिप्तता का कारण जानना चाहा। तब तुमने बताया - मैंने सच्चे हृदय से भगवान शिवशंकर का वरण किया है, किंतु मेरे पिता ने मेरा विवाह विष्णुजी से निश्चित कर दिया। मैं विचित्र धर्म-संकट में हूं। अब क्या करूं? प्राण छोड़ देने के अतिरिक्त अब कोई भी उपाय शेष नहीं बचा है। तुम्हारी सखी बड़ी ही समझदार और सूझबूझ वाली थी।

उसने कहा- सखी! प्राण त्यागने का इसमें कारण ही क्या है? संकट के मौके पर धैर्य से काम लेना चाहिए। नारी के जीवन की सार्थकता इसी में है कि पति-रूप में हृदय से जिसे एक बार स्वीकार कर लिया, जीवनपर्यंत उसी से निर्वाह करें। सच्ची आस्था और एकनिष्ठा के समक्ष तो ईश्वर को भी समर्पण करना पड़ता है। मैं तुम्हें घनघोर जंगल में ले चलती हूं, जो साधना स्थली भी हो और जहां तुम्हारे पिता तुम्हें खोज भी न पाएं। वहां तुम साधना में लीन हो जाना। मुझे विश्वास है कि ईश्वर अवश्य ही तुम्हारी सहायता करेंगे।

तुमने ऐसा ही किया। तुम्हारे पिता तुम्हें घर पर न पाकर बड़े दुखी तथा चिंतित हुए। वे सोचने लगे कि तुम जाने कहां चली गई। मैं विष्णुजी से उसका विवाह करने का प्रण कर चुका हूं। यदि भगवान विष्णु बारात लेकर आ गए और कन्या घर पर न हुई तो बड़ा अपमान होगा। मैं तो कहीं मुंह दिखाने के योग्य भी नहीं रहूंगा। यही सब सोचकर गिरिराज ने जोर-शोर से तुम्हारी खोज शुरू करवा दी।

इधर तुम्हारी खोज होती रही और उधर तुम अपनी सखी के साथ नदी के तट पर एक गुफा में मेरी आराधना में लीन थीं। भाद्रपद शुक्ल तृतीया को हस्त नक्षत्र था। उस दिन तुमने रेत के शिवलिंग का निर्माण करके व्रत किया। रात भर मेरी स्तुति के गीत गाकर जागीं। तुम्हारी इस कष्ट साध्य तपस्या के प्रभाव से मेरा आसन डोलने लगा। मेरी समाधि टूट गई। मैं तुरंत तुम्हारे समक्ष जा पहुंचा और तुम्हारी तपस्या से प्रसन्न होकर तुमसे वर मांगने के लिए कहा।

तब अपनी तपस्या के फलस्वरूप मुझे अपने समक्ष पाकर तुमने कहा - मैं हृदय से आपको पति के रूप में वरण कर चुकी हूं। यदि आप सचमुच मेरी तपस्या से प्रसन्न होकर आप यहां पधारे हैं तो मुझे अपनी अर्धांगिनी के रूप में स्वीकार कर लीजिए।

तब मैं तथास्तु कह कर कैलाश पर्वत पर लौट आया। प्रातः होते ही तुमने पूजा की समस्त सामग्री को नदी में प्रवाहित करके अपनी सहेली सहित व्रत का पारणा किया। उसी समय अपने मित्र-बंधु व दरबारियों सहित गिरिराज तुम्हें खोजते-खोजते वहां आ पहुंचे और तुम्हारी इस कष्ट साध्य तपस्या का कारण तथा उद्देश्य पूछा। उस समय तुम्हारी दशा को देखकर गिरिराज अत्यधिक दुखी हुए और पीड़ा के कारण उनकी आंखों में आंसू उमड़ आए थे।

तुमने उनके आंसू पोंछते हुए विनम्र स्वर में कहा- पिताजी! मैंने अपने जीवन का अधिकांश समय कठोर तपस्या में बिताया है। मेरी इस तपस्या का उद्देश्य केवल यही था कि मैं महादेव को पति के रूप में पाना चाहती थी। आज मैं अपनी तपस्या की कसौटी पर खरी उतर चुकी हूं। आप क्योंकि विष्णुजी से मेरा विवाह करने का निर्णय ले चुके थे, इसलिए मैं अपने आराध्य की खोज में घर छोड़कर चली आई। अब मैं आपके साथ इसी शर्त पर घर जाऊंगी कि आप मेरा विवाह विष्णुजी से न करके महादेवजी से करेंगे।

गिरिराज मान गए और तुम्हें घर ले गए। कुछ समय के पश्चात शास्त्रोक्त विधि-विधानपूर्वक उन्होंने हम दोनों को विवाह सूत्र में बांध दिया।

हे पार्वती! भाद्रपद की शुक्ल तृतीया को तुमने मेरी आराधना करके जो व्रत किया था, उसी के फलस्वरूप मेरा तुमसे विवाह हो सका। इसका महत्व यह है कि मैं इस व्रत को करने वाली कुंआरियों को मनोवांछित फल देता हूं। इसलिए सौभाग्य की इच्छा करने वाली प्रत्येक युवती को यह व्रत पूरी एकनिष्ठा तथा आस्था से करना चाहिए।

हरतालिका तीज
महिलाओं का त्योहार

भारतीय त्योहारों में तीज का काफी महत्व है। महिलाओं के लिए तीज के परंपरागत, विभिन्न रूप उत्साह के पर्याय बन जाते हैं। फिर इनके सांस्कृतिक तथा पारंपरिक महत्व अपनी जगह हैं।

इसलिए तीज के लिए महिलाएं काफी पहले से तैयारियां शुरू कर देती हैं। मेहंदी, वस्त्र तथा आभूषण, सभी कुछ अपनी सुविधा के अनुसार जुटाए जाते हैं और पूरे उत्साह के साथ मनाई जाती है तीज। तीज का ऐसा ही कुछ रूप हरतालिका तीज पर देखने को मिलता है।

शिव-पार्वती के सफल तथा परिपक्व दांपत्य जीवन जैसे जीवन की कामना के साथ हरतालिका का व्रत तथा पूजन किया जाता है। भाद्रपद की शुक्ल तृतीया को शिवगौरी का पूजन कर हरतालिका तीज मनाई जाती है।

इस व्रत को लेकर युवतियों से लेकर महिलाओं तक में उत्साह रहता है। असल में परंपरागत भारतीय त्योहारों तथा उत्सवों का असल आकर्षण ही महिलाओं का यह उत्साह है, जो पूरे वातावरण को एक नए उजास से भर देता है।

यह व्रत कड़क उपवास की श्रेणी में आता है क्योंकि इस दिन स्त्रियां निर्जल भी रहती हैं। शाम को सुंदर वस्त्र तथा आभूषणों से सजकर सभी एक-साथ मिलकर मिट्टी से बनी शिव-पार्वती की प्रतीक प्रतिमाओं का पूजन करती हैं। हंसती-गाती हैं और रात्रि जागरण भी करती हैं। समय के अनुसार हालांकि इस त्योहार में भी कुछ परिवर्तन हुए हैं। अब पूजन के लिए कई प्रकार की पत्तियां चुनने के लिए जरूरी नहीं कि जंगलों में जाया जाए।

आजकल बाजार में, खासतौर पर शहरों में बड़ी संख्या में ग्रामीण ढेर की ढेर पत्तियां तथा फूल लाकर बेचते हैं। यही नहीं दुकानों पर आपको एक ही पैकेट में सारी पूजन सामग्री भी मिल जाएगी। कामकाजी महिलाओं से लेकर गृहिणियों के लिए भी यह एक सुविधाजनक बात है। मुख्य बात यह है कि इस तरह के त्योहार महिलाओं को एक-साथ मिल बैठने तथा अपना उत्साह जाहिर करने का भी मौका दे जाते हैं। जाहिर है कि परंपरागत रूप से इस व्रत को करने के कारण तथा तरीके अब भी वैसे ही हैं, हां कुछ आधुनिकता के साथ।

आखिर अब क्यों नहीं देवी देवता आकर दिखाते हैं ऐसे चमत्कार

कहां गए वह देवी-देवता

पांच हजार साल पहले का कोई आदमी आज धरती पर आ जाए तो उसे आश्चर्य होगा कि यक्ष, देव, अशरीरी आत्माएं और किन्नर आदि कहां गए, यह भी कि इच्छा करते ही मनपसंद भोजन और वसन भूषण क्यों नहीं मिल रहे।

वे देवी देवती कहां गए जो बुलाने पर चले आते और इच्छित सुविधाओं को तत्काल रच देते थे। यह उल्लेख आज की दुनिया को सौ डेढ़ सौ साल पहले की दुनिया से तुलना करने वालों को भी हैरान कर सकते है।

हिमालय के इन भागों में दिखते हैं चमत्कार

उनके हिसाब से आज की दुनिया पिछली सदी से बहुत आगे है पर ईशा फाउंडेशन कोयंबटूर (तमिलनाडु) की प्रयोगशाला के नतीजों को देखें तो मानना होगा कि पांच हजार साल पहले की दुनिया के बारे में पुराणों और योगशास्त्रों में जो लिखा है, वह अधिकांश सही साबित हो रहा है।

फाउंडेशन के संस्थापक और योग की सचाइयों को दुनिया में पहुंचाने के मिशन में लगे सद्गुरु जग्गी वासुदेव का कहना है कि ऋग्वेद काल में तारों की सैर करने और वहां से लोगों के पृथ्वी पर आने के वृत्तांत सुनते आए हैं।

आकाश में रह कर धरती के लोगों के लिए सुख सुविधा रचने वालों के बारे में दुनियाभर की पुरानी किताबों के वर्णन इस बात की गवाही देते हैं। हिमालय के ध्रुव प्रदेश में तमाम ऐसी चीजें होते हुए आज भी देखी जा सकती हैं जो असंभव लगती है।

शास्त्रों और पुराणों में बताए चमत्कार की सच्चाई

वास्तव में ऐसा कुछ नहीं हुआ होता, तो हर जगह लगभग एक जैसी कहानियां न बनी होती। बाइबल में खासकर यूनानी संस्कृति में भी ऐसे ही उल्लेख आए हैं। यहां तक कि नाम भी एक जैसे लगते है।

सुमेरियन संस्कृति, मेसोपोटामिया की संस्कृति, अरब की कुछ खास संस्कृतियों, अफ्रीका के उत्तरी भागों में और दक्षिण अमेरिका में भी यही बातें सुनने व पढ़ने को मिलती हैं।

हजारों सालों तक इन महाद्वीपों के बीच कोई संपर्क ही नहीं रहा है। इसके बावजूद इन जगहों पर एक जैसे शब्दों और मुहावरों का उपयोग मिलता है।

हिमालय को योगियों और सिद्धों का तीर्थ बताते हुए तिब्बती लामा जेन सामी का कहना है कि साधना की उच्च स्थिति में पहुंचे लोगों को आज भी इस तरह के अलौकिक अनुभव होते हैं।

सार यह है कि दुनिया हमेशा उसके रचयिता की तरह पूर्ण विकसित रही है। कभी कोई पक्ष सामने आता है, कभी कोई। लेकिन योग के सहारे उसे समग्र रूप में देखा और समझा जा सकता है।

वास्तु शास्त्र

भरपूर प्यार के साथ धन भी मिलेगा, अगर घर में होगी यह बिल्ली

बिल्ली को आमतौर पर लोग अशुभ जीव मानते हैं। कहते हैं घर में अक्सर बिल्ली का आने का मतलब है कोई अपशकुन होने वाला है। बिल्ली का घर में मल त्याग करना अनहोनी का संकेत माना जाता है।

लेकिन एक बिल्ली ऐसी है जो घर में रहे तो अपशकुन नहीं बल्कि शगुन ही शगुन होता है। यह बिल्ली धन को आकर्षित करती है साथ ही आपके जीवन में प्यार भरपूर लाती है।

क्या है इस बिल्ली का नाम

आपके जीवन में खुशियां और धन लाने वाली यह बिल्ली का नाम मानकी निको है। चीन और जापान में इस बिल्ली को शुभ का प्रतीक माना जाता है। यह बिल्ली धन को आकर्षित करती है इसलिए इसे मनी कैट भी कहा जाता है।

धन चाहिए तो आपको ऐसी बिल्ली रखनी चाहिए

मनी कैट बाजार में कई रंग के मिलते हैं। रंग के अनुसार इनका परिणाम भी अलग-अलग प्राप्त होता है। जैसे अगर आप धन की चाहत रखते हैं तो घर या व्यापारिक प्रतिष्ठान पीले रंग की बिल्ली रखें। धन प्राप्ति के लिए आप चाहें तो नीले रंग की बिल्ली भी रख सकते हैं।

प्यार में भाग्य का साथ पाने के लिए

प्यार में भाग्य आपका साथ दे इसके लिए आप लाल रंग की बिल्ली घर में रख सकते हैं। हरे रंग की बिल्ली आपको हर चीज में भाग्य का साथ दिलाती है।

लेकिन बिल्ली से लाभ पाने के लिए कुछ नियम भी हैं। हरे रंग की बिल्ली उत्तर पूर्व में रखें। लाल रंग की बिल्ली को दक्षिण पश्चिम दिशा में। पीले और नीले रंग की बिल्ली दक्षिण पूर्व या उत्तर पूर्व में रखें।

ईरानी पुलिस ने अशांति के आह्वान के बाद 137 लोगों को हिरासत में

तेहरान । ईरान पुलिस ने उन 137 लोगों को हिरासत में लिया है, जिन्होंने देश के नागरिकों से ईरानी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने का आह्वान किया था। पश्चिम अजरबैजान के ईरानी प्रांत में कानून प्रवर्तन बलों के कमांडर रहीम जहानबख्श ने इसकी जानकारी दी। वर्तमान में, 137 लोगों को सोशल नेटवर्क पर पश्चिमी अजरबैजान प्रांत में लोगों से दंगा करने का आह्वान करते हुए पाया गया है।

इराक में बारूदी सुरंग विस्फोट में तीन चरवाहों की मौत

बगदाद । इराक के मध्य प्रांत सलाहुद्दीन में एक बारूदी सुरंग विस्फोट में एक ही परिवार के तीन चरवाहों की मौत हो गई। कर्नल मोहम्मद अल-बाजी ने बताया कि यह घटना तब हुई जब चरवाहे अपनी भेड़ों को प्रांत के उत्तरी हिस्से में अल-ईथ शहर के पास एक जंगली इलाके में ले गए। इराकी सुरक्षा बल घटनास्थल पर पहुंचे और घटना की जांच शुरू की, उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों का मानना है कि बम चरमपंथी इस्लामिक स्टेट (आईएस) के आतंकवादियों ने लगाया था। प्रांतीय राजधानी तिकरित से लगभग 60 किलोमीटर पूर्व में स्थित अल-ईथ क्षेत्र एक विशाल रेगिस्तान है, जहां चरवाहे रहते हैं और इसका इस्तेमाल आईएस आतंकवादी अपने गुरिल्ला हमलों के लिए लॉन्चिंग पैड के रूप में भी करते हैं। आईएस की 2017 में हार के बाद से इराक में सुरक्षा स्थिति में सुधार हुआ है।

तुर्की में आग बुझाने में लगा हेलीकाप्टर जलाशय में गिरा

अंकारा । तुर्की के कृषि और वानिकी मंत्री इब्राहिम युमाकली ने कहा कि तुर्की के इजमिर प्रांत में आग बुझाने में लगा एक हेलीकॉप्टर जलाशय में गिर गया। लेकिन घटना में चालक दल के एक सदस्य को बचा लिया गया। युमाकली ने कहा, जांच करने के बाद पता चला कि हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हुआ और ताहताली जलाशय में गिर गया, जहां से वह मेंडेरेस क्षेत्र में जंगल की आग बुझाने के लिए पानी निकाल रहा था। मंत्री ने कहा कि पुलिस, तट रक्षक और आपदा प्रबंधन विभाग खोज और बचाव अभियान में शामिल हैं, उन्होंने कहा कि चालक दल के एक सदस्य को बचा लिया गया, बचावकर्मी तीन अन्य की तलाश कर रहे हैं।

जंगल में क्रैश हुआ प्लेन, क्रू मेंबर समेत सभी यात्रियों की मौत

ब्राजीलिया । ब्राजील में एक विमान हादसे में क्रू मेंबर स ?हित सभी 14 लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि अमेजन के जंगलों में खराब मौसम के कारण प्लेन क्रैश हुआ। यह एक छोटा प्रोपेलर विमान था जो अमेजनस राज्य की राजधानी मनौस से 400 किमी दूर बार्सिलोस की यात्रा कर रहा था। यात्रा खत्म होने से कुछ समय पहले ही यह विमान गिर गया। अधिकारियों ने कहा कि विमान में 2 क्रू मेंबर समेत 12 यात्री सवार थे। इन सभी की मौत हो चुकी है। घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच कमेटी बनाई गई है। अमेजनस राज्य के सुरक्षा सचिव विनीसियस अल्मेडा ने कहा कि शुरुआती जानकारी से पता चला है कि बारिश और कम दिखाई देने के कारण जब विमान बार्सिलोस में उतरा तो रनवे से बाहर चला गया और फिर बाद में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे वाला विमान ईएमबी-110 है, जो दो इंजन वाला विमान है। इस विमान की निर्माता ब्राजील की ही एक कंपनी है। जी1 के अनुसार विमान के मालिक मनौस एरोटैक्सी ने कहा कि फ्लाइट और उसके चालक दल ने उड़ान भरने के लिए सभी जरूरतों को पूरा किया। प्लेन क्रेश होने पर अधिकारियों ने कहा कि पीड़ितों के शवों को औपचारिक पहचान के लिए मनौस ले जाया गया। बार्सिलोस एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है, क्योंकि यह कई राष्ट्रीय उद्यानों के करीब है। सितंबर महीना फिशिंग सीजन का सबसे व्यस्त समय माना जाता है। यह राज्य अपनी कई खास प्रजाति की मछलियों के लिए जाना जाता है। एक वीडियो फुटेज में विमान का मलबा कीचड़ में पड़ा दिख रहा है और इसका अगला हिस्सा हरे पत्तों से ढका हुआ है, जिसके पास 20-25 लोग छाते लिए खड़े नजर आ रहे हैं।

अमेरिका के पूर्व राजदूत पर गलत बयानी का आरोप, लगाया 93 हजार डॉलर का जुर्माना

न्यूयॉर्क । पाकिस्तान में अमेरिका के पूर्व राजदूत रिचर्ड गुस्ताव ओल्सन पर गलत बयानी का आरोप लगाते हुए 93 हजार डॉलर का जुर्माना किया है। उनपर कतर को सहायता देने और गलत बयान देने से जुड़े एक मामले में संघीय अदालत ने 93,350 डॉलर का जुर्माना लगाया है। सहायक अटॉर्नी जनरल मैथ्यू ऑलसेन ने यह जानकारी कहा गया कि यह जुर्माना उनके सार्वजनिक कार्यालय से संबंधित दो अलग-अलग कदाचारों के लिए है। जुर्माने के अलावा, 34 साल की विशिष्ट सेवा वाले राजनयिक को 36 महीने की परिवीक्षा की सजा दी गई। गौरतलब है कि ओल्सन 2012 से 2015 तक इस्लामाबाद में राजदूत थे और उसके बाद पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के प्रशासन के दौरान 2015 से 2016 तक अफगानिस्तान और पाकिस्तान के लिए अमेरिका के विशेष प्रतिनिधि रहे। विभाग ने कहा कि ओल्सन ने पिछले साल जून में कोलंबिया जिले की एक संघीय अदालत के समक्ष गलत लेखन करने के एक मामले और विदेशी सरकार के निर्णयों को प्रभावित करने के इरादे से सहायता और सलाह देने के एक मामले को स्वीकार किया था। विभाग ने कहा कि ओल्सन एक व्यवसायी से प्राप्त हजारों डॉलर के लाभ का खुलासा करने में विफल रहे और जब संघीय जांच ब्यूरो ने उनसे पूछताछ की, तो उन्होंने झूठा दावा किया कि उन्होंने ऐसा नहीं किया है। अदालत के दस्तावेज़ों में उस शख्स का का नाम नहीं था, लेकिन उसे पाकिस्तानी मूल का अमेरिकी नागरिक बताया गया था। जिसने कई व्यवसाय संचालित किए और पैरवी की, और एक अन्य सौदे के लिए मध्यस्थ था। वह व्यक्ति पाकिस्तानी-अमेरिकी व्यवसायी इमाद जुबेरी था, जिसे अवैध अभियान योगदान देने के आरोप में 2021 में 12 साल की सजा सुनाई गई थी। एक वरिष्ठ अधिकारी के रूप में पद छोड़ने के बाद, ओल्सन को एक साल तक कूलिंग-ऑफ का पालन करना पड़ा, इस दौरान उन्हें विदेशी सरकारों की सहायता करने या उनका प्रतिनिधित्व करने से प्रतिबंधित कर दिया गया था। लेकिन विभाग ने कहा कि उस शख्स ने उसे प्रति माह 20 हजार डॉलर का परामर्श शुल्क देना शुरू कर दिया और उसने कानूनों के उल्लंघन में कतर सरकार को अमेरिकी नीति निर्माताओं को प्रभावित करने में अवैध रूप से मदद की।

एलियंस के अस्तित्व को लेकर छिड़ी बहस

न्यू मेक्सिको। मेक्सिको संसद में प्रदर्शित एलियंस शव को लेकर दुनिया में बहस छिड़ गई है। अमेरिका ने एलियंस के अस्तित्व को लेकर सहमति जताई है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह एक 'पब्लिसिटी स्टंट' है। दुनिया में एलियंस का कोई वजूद नहीं है। उल्लेखनीय है कि मेक्सिको संसद में लाइव स्ट्रीमिंग से मैक्सिकन पत्रकार और लंबे समय तक यूएफओ के शौकीन जैमे मौसन ने एलियंस की लाशों को दिखाया था। इन लाशों के हाथ और पैर में तीन उंगलियां थीं. मौसन ने दावा किया कि ये एलियंस 2017 में पेरू के प्राचीन नाज़का लाइन्स के पास से पाए गए थे। उन्होंने बताया कि इसे मेक्सिको के राष्ट्रीय स्वायत्त विश्वविद्यालय (यूएनएएम) द्वारा कार्बन-डेटेड किया गया था और निष्कर्ष निकाला गया था कि वे लगभग 1,000 साल पुराने थे। उन्होंने दावा किया कि उनका पृथ्वी पर किसी भी प्रजाति से कोई संबंध नहीं है। यह ऐसा लगता है कि यह ममी बच्चा है। मौसन पहले भी इसी तरह के विवादास्पद दावे कर चुके हैं। इन एलियंस के डेड बॉडी को दिखाए जाने की आलोचना पूर्व अमेरिकी नौसेना पायलट रयान ग्रेव्स ने की है। उन्होंने इसे 'अज्ञात असामान्य घटना' बताते हुए इसके अप्रमाणित स्टंट से निराशा जताई। पेरू के संस्कृति मंत्री लेस्ली उर्टेगा ने सवाल उठाया है कि यह नमूने पेरू से कैसे निकले। उर्टेगा ने मौसन और उनके सहयोगियों के संदर्भ में कहा कि इन सज्जनों के साथ संबंध रखने वाले कुछ लोगों के खिलाफ संस्कृति मंत्रालय की ओर से एक आपराधिक शिकायत है मौसन ने गुरुवार को कहा कि उनके आलोचकों ने अभी तक उनके दावों का खंडन करने के लिए कोई सबूत पेश नहीं किया है। मौसन ने कहा कि उनके आलोचक उनकी खोज की ताकत को छीन लेना चाहते हैं। हम इस पर वर्षों से जांच कर रहे हैं जबकि वे सिर्फ बातचीत कर रहे हैं। उधर नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन-नासा नासा प्रमुख बिल नेल्सन ने माना है अमेरिका में एलियंस हैं। वहीं, प्रिंसटन विश्वविद्यालय के खगोल भौतिकी विभाग के पूर्व प्रमुख और रिपोर्ट के अध्यक्ष डेविड स्पर्गेल ने कहा कि उन्हें नमूनों की प्रकृति के बारे में पता नहीं है यदि किसी के पास कुछ नमूने हैं, तो दुनिया के वैज्ञानिक समुदाय को उपलब्ध कराएं और तब हम देखेंगे कि उनमें क्या है।

तुर्किये में एस्किसीर के सिवरिहिसार जिले में सिवरिहिसार एयरशो 2023 के दौरान विमान का प्रदर्शन।

नेपाल सरकार सीमा प्रबंधन के लिए भारत के साथ अतिरिक्त संधियों पर हस्ताक्षर करे : शीर्ष अदालत

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल के उच्चतम न्यायालय ने सरकार से सीमा प्रबंधन और नियमन के लिए भारत के साथ अतिरिक्त संधियों पर हस्ताक्षर करने को कहा है। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि आपराधिक गतिविधियों को रोकने और दोनों पड़ोसी देशों के बीच खुली सीमा का प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए समानता और पारस्परिक हितों के आधार पर, यदि आवश्यक हो, तो भारत के साथ अतिरिक्त संधियों और समझौतों पर हस्ताक्षर करें। उच्चतम न्यायालय ने यह फैसला वकील चंद्रकांत ग्यावली और सीमा मामलों के विशेषज्ञ बुद्धि नारायण श्रेष्ठ और अन्य द्वारा दायर याचिका के जवाब में दिया।

न्यायमूर्ति प्रकाश मान सिंह राउत और न्यायमूर्ति पुरूषोत्तम भंडारी की पीठ ने प्रधानमंत्री कार्यालय और मंत्रिपरिषद, संघीय संसद सचिवालय, विदेश मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, गृह मंत्रालय सहित अन्य के नाम पर आदेश जारी किया। याचिकाकर्ताओं में से एक श्रेष्ठ ने आदेश के हवाले से कहा, ''क्योंकि

नेपाल और भारत के बीच खुली सीमा का अवांछित तत्वों द्वारा अक्सर दुरुपयोग किया गया है, इसलिए इसे ड्रोन और सीसीटीवी जैसी नवीनतम तकनीकों का इस्तेमाल करके सुरक्षा एजेंसियों द्वारा इसे विनियमित किया जाना चाहिए।''

श्रेष्ठ ने कहा, 'अदालत ने सरकारी अधिकारियों से खुली सीमा के प्रभावी प्रबंधन और विनियमन को सुनिश्चित करने के लिए राजनीतिक और राजनयिक पहल के जरिये समानता और पारस्परिक हितों के आधार पर, यदि आवश्यक हो, अतिरिक्त संधियों और समझौतों पर हस्ताक्षर करने के लिए भी कहा है।'' न्यायाधीशों ने 25 अप्रैल, 2021 को आदेश जारी किया था। आदेश का पूरा विवरण हाल में जारी किया गया था। नेपाल पांच भारतीय राज्यों उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और सिक्किम के साथ लगभग 1,850 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है।

बाइडेन राष्ट्रपति बनने के काबिल नहीं

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बाइडेन को सपोर्ट करने के बहाने फिर एक बार उनका मजाक उड़ाया है। रविवार को नेशनल ब्रॉडकास्टिंग कंपनी को इंटरव्यू देते समय ट्रम्प ने 2024 इलेक्शन के बुजुर्ग पॉलिटिकल लीडर्स पर चल रही बहस पर टिप्पणी की। ट्रम्प ने कहा- बाइडेन दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के लिए अभी उतने भी बूढ़े नहीं हुए है, लेकिन मुझे लगता है कि वह इस पद के लिए काबिल नहीं है। ये ज्यादा बड़ी समस्या है। इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा- दुनिया के कुछ ग्रेट लीडर्स 80 साल के हो चुके हैं। हालांकि, मैं अभी इसके आसपास भी नहीं हूं।

ईसा बने पाक के चीफ जस्टिस

इस्लामाबाद । 63 साल के जस्टिस काजी फैज ईसा पाकिस्तान के 29वें चीफ जस्टिस बन गए हैं। प्रेसिडेंट आरिफ अल्वी ने रविवार को उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस दौरान केयरटेकर गवर्नमेंट के प्राइम मिनिस्टर अनवार उल हक काकड़ और आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर भी मौजूद थे। चीफ जस्टिस ईसा 13 महीने पद पर रहेंगे। पूर्व चीफ जस्टिस उमर अता बंदियाल ने ईसा को कभी तरजीह नहीं दी। उन्हें किसी बेंच का हिस्सा नहीं बनाया। 2019 में इमरान खान जब प्रधानमंत्री थे तो जस्टिस ईसा और उनकी पत्नी सरीना ईसा पर करप्शन के आरोप लगाए गए। सरीना को गिरफ्तार भी किया गया। खान मर्जी के फैसले न देने की वजह से ईसा से नाराज थे और उन्हें जेल भेजना चाहते थे, हालांकि वो नाकाम रहे।

किम जोंग उन ने रूसी रक्षा मंत्री के साथ हथियार सहयोग पर की चर्चा!

सियोल (एजेंसी)। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने रूस और उत्तर कोरिया की सेनाओं के बीच रणनीतिक और सामरिक समन्वय को मजबूत करने पर रूस के रक्षा मंत्री के साथ चर्चा की। उत्तर कोरिया के राज्य मीडिया ने रविवार को इस बात की पुष्टि करते हुए कहा ?कि किम ने रूस के सुदूर पूर्व की यात्रा जारी रखी है, जिससे यूक्रेन पर मास्को के युद्ध को बढ़ावा मिलेगा। रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु ने किम को यूक्रेन पर युद्ध के लिए तैनात रूस की कुछ सबसे उन्नत हथियार प्रणाली दिखाई और इसी दौरान उन लोगों के बीच चर्चा हुई। इसमें परमाणु-सक्षम बमवर्षक और हाइपरसोनिक मिसाइल और उसके प्रशांत बेड़े का एक प्रमुख युद्धपोत शामिल था। एक समाचार एजेंसी ने कोरियाई सेंट्रल न्यूज एजेंसी के हवाले से इस बात की जानकारी दी। अमेरिका और दक्षिण कोरियाई अधिकारियों ने कहा है कि उत्तर कोरिया अत्याधुनिक रूसी हथियार तकनीक के बदले यूक्रेन पर पुतिन के युद्ध के लिए बेहद जरूरी हथियार मुहैया करा सकता है, जो किम की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाएगा। हालांकि उनका मुख्य ध्यान सैन्य सहयोग पर है, ऐसा लग रहा है कि किम अपनी यात्रा का उपयोग देशों के बीच व्यापक आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करने के लिए कर रहे हैं, क्योंकि वह राजनयिक अलगाव से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे हैं। रूस के प्रिमोरी क्षेत्र के गवर्नर, जिसमें व्लादिवोस्तोक भी शामिल है, उन्होंने कहा कि वह किम से मिलने की योजना बना रहे हैं। गवर्नर ओलेग कोझेमायाको ने अपने मैसेजिंग ऐप चैनल पर कहा कि वे स्कूली बच्चों के लिए एक-दूसरे के देश में ग्रीष्मकालीन शिविरों में भाग लेने के लिए विनिमय कार्यक्रमों और खेल, पर्यटन और संस्कृति में सहयोग करने के अन्य तरीकों पर चर्चा करेंगे। रूसी मीडिया ने कहा कि किम प्राइमरी में खाद्य उद्योग व्यवसायों का भी दौरा कर सकते हैं।

एक्सएल बुली कुत्तों पर पाबंदी लगाने की तैयारी में ब्रिटेन

-कुत्तों ने ब्रिटेन में कई लोगों पर हमला किया

लंदन (एजेंसी)। अमेरिकन एक्सएल बुली कुत्तों पर ब्रिटिश सरकार पाबंदी लगाने की तैयारी कर रही है। ब्रिटेन में इस नस्ल के कुत्तों ने कई लोगों पर हमला किया है। इनके हमले से से कुछ लोगों की मौत भी हो गई थी। इन हमलों के बाद ब्रिटेन में तीखी बहस छिड़ गई है कि पालतू जानवरों की हिंसा के लिए जानवर या उनके मालिक में से किसे जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए?

ब्रिटेन के गृह सचिव सुएला ब्रेवरमैन ने कहा कि कुत्तों की ये नस्ल खासतौर पर बच्चों के लिए बेहद घातक खतरा है। बता दें कि पिछले सप्ताह ब्रिटेन में एक 11 साल के बच्चे समेत तीन लोगों पर अमेरिकन एक्सएल बुली नस्ल के कुत्तों ने हमला कर दिया था। ब्रिटेन की सरकार ने रविवार को ऐलान किया कि कुत्तों पर प्रतिबंध लगाने के लिए तत्काल सलाह मांगी जा रही है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, विशेषज्ञों और ऑनलाइन लिस्टिंग में बताया गया है कि एक्सएल बुली डॉग्स का वजन 60 किलोग्राम तक हो सकता है। इनकी कीमत 1,200 डॉलर से लेकर 12,000 डॉलर तक होती है। ब्रिटेन की बड़ी डॉग एसोसिएशंस आधिकारिक तौर पर इस नस्ल को मान्यता नहीं देती हैं। लेकिन, हाल के वर्षों में एक्सएल ने ब्रिटेन में काफी लोकप्रियता हासिल की है। काफी लोग इनके आकार और ताकत को स्टेटस सिंबल के तौर पर मानकर पालते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल ब्रिटेन में कुत्तों के 10 घातक हमलों में से आधे से ज्यादा एक्सएल बुली ने ही किए थे। बुली के हमले के एक फुटेज में बिना पट्टे वाला एक्सएल बुली इंग्लैंड के बर्मिंघम की सड़कों पर दौड़-दौड़कर लोगों को काट रहा है। इससे लोगों में अफरातफरी का माहौल बन गया था।

वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस ने बताया कि पीड़ितों को अस्पताल ले जाया गया, जबकि मालिक से पूछताछ की गई। विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट के मुताबिक, कुत्तों का हमला एक विश्वव्यापी मुद्दा है। इनमें हर साल लाखों लोग घायल होते हैं। कुत्तों के हमलों का सबसे ज्यादा खतरा बच्चों को होता है। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि अमेरिका में हर साल करीब 45 लाख लोग कुत्तों के हमले का शिकार बनते हैं। ब्रिटेन में अगर किसी के पास विशेष अदालत की मंजूरी के बिना प्रतिबंधित नस्ल का कुत्ता है, तो पुलिस या स्थानीय अधिकारी उसे जब्त कर लेते हैं। फिर विशेषज्ञ आकलन करता है कि कुत्ता जोखिम भरा है या नहीं। कुछ मामलों में कुत्ते को मार दिया जाता है। कभी-कभी इसे मालिक को वापस दे दिया जाता है। हालांकि, उसे कुत्ते को अपने पास रखने के लिए कड़े नियमों का पालन करना होता है। सार्वजनिक जगहों पर इसका मुंह हर समय बंद करना होता है।ब्रिटेन की सरकार अगर एक्सएल बुली पर प्रतिबंध लगा देती है तो यह डेंजरस डॉग एक्ट के तहत पाबंदी वाली कुत?तों की पांचवीं नस्ल हो जाएगी। इससे पहले ब्रिटिश सरकार पिट बुल टेरियर, जापानी टोसा, डोगो अर्जेंटीनो और फिला ब्रासीलीरो पर पाबंदी लगा चुकी है। स्पाइवी का कहना है कि कुत्तों की नस्लों पर प्रतिबंध लगाने से कुछ नहीं बदलेगा। अगर आप वास्तविक परिवर्तन देखना चाहते हैं, तो आपको कुत्तों के गैर-जिम्मेदार मालिकों और विक्रेताओं पर सख्ती दिखानी होगी।

भारतीय छात्रा जाह्नवी कंडुला को मरणोपरांत मिलेगी मास्टर डिग्री

- यूनिवर्सिटी ने किया ऐलान, अमेरिका में पुलिस वैन की टक्कर से गई थी जान

वरशिंगटन (एजेंसी)। भारतीय छात्रा जाह्नवी कंडुला को मरणोपरांत मास्टर डिग्री प्रदान की जाएगी। नॉर्थईस्टर्न यूनिवर्सिटी के चांसलर ने यह घोषणा की। इस साल 23 जनवरी को तेज गति से आ रही पुलिस की एक कार ने कंडुला को टक्कर मार दी थी, जिसके कारण उसकी मौत हो गई थी। चांसलर ने उम्मीद जताई कि कंडुला की मौत के मामले की जांच न्याय और जवाबदेही सुनिश्चित करेगी। कंडुला को नॉर्थईस्टर्न यूनिवर्सिटी के सिएटल परिसर से सूचना प्रणाली में इस साल दिसंबर में मास्टर की डिग्री प्राप्त होनी थी। छात्रा के परिवार ने कहा कि वह भारत में रह रही अपनी मां की मदद करने के लिए काम कर रही थीं। कंडुला जब 23 जनवरी 2023 को सड़क पार कर रही थी, तब पुलिस के एक वाहन ने उसे टक्कर मार दी थी। इस वाहन को केविन डेव नाम का अधिकारी चला रहा था। वह मादक पदार्थ के ओवरडोज से जुड़े एक मामले की सूचना पर गति सीमा का उल्लंघन करके 119 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिक रफ्तार से वाहन चला रहा था।

सिएटल पुलिस विभाग द्वारा हाल ही में जारी किए गए बॉडीकैम फुटेज में अधिकारी डेनियल ऑडरर को इस घातक दुर्घटना के बारे में हंसकर बात करते हुए

पाया गया। इसी के साथ वह डेव की गलती की गुंजाइश को खारिज करते हुए भी नजर आ रहे हैं। बॉडीकैम रिकॉर्डिंग वीडियो में ऑडरर को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि हां, बस एक चेक काटो 11,000 अमेरिकी डॉलर का। वह वैसे भी 26 साल की थी। उसके जीवन की कीमत मामूली थी। नॉर्थईस्टर्न यूनिवर्सिटी के चांसलर केनेथ डब्ल्यू हेंडरसन ने कंडुला की मौत की मौत पर दुख जताते हुए यूनिवर्सिटी के आधिकारिक फेसबुक पेज पर जारी एक बयान में कहा कि उसकी कमी छात्रों, कर्मचारियों और शिक्षकों को बहुत खलेगी। विश्वविद्यालय ने जाह्नवी को उसकी डिग्री मरणोपरांत देने की योजना बनाई है। यह डिग्री परिवार को सौंपी जाएगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में विशेष रूप से भारतीय छात्र समुदाय इस त्रासदी और उसके बाद हुए घटनाक्रम से बहुत प्रभावित हुआ है। चांसलर ने कहा कि हम आपके साथ से खड़े हैं और उम्मीद करते हैं कि जांच न्याय और जवाबदेही सुनिश्चित करेगी।

शिशु ने निगली 8 सुई, सफल उपचार को विशेषज्ञों ने बताया चमत्कार

-पशुओं को इंजेक्शन लगाने के बाद खेत में फेंकी सुई बनी मौत का सबब

वॉशिंगटन (एजेंसी)। पेरू के तारापोटो में जब एक कृषक अपने परिवार के साथ खेत पर गया था उसी दौरान उसके 2 साल के बच्चे ने वहां पड़ी 8 सुइयां निगल लीं। जब ये सुइयां आंतों तक पहुंचीं और भयानक दर्द उठा तब वे बच्चे को अस्पताल ले गये। आखिरकार काफी मशक्कत के बाद बच्चे को बचा लिया गया। डाक्टरों ने बताया कि सुइयां अंदर के अंगों में कई जगह धंसी हुई थीं। गनीमत थी कि रक्तस्राव नहीं हुआ, वरना जान जा सकती थी।

सूत्रों के मुताबिक, डॉक्टरों ने एक्सरे में देखा कि सभी आठों सुइयां पाचनतंत्र के अंदर हैं। दो सुइयां तो खतरनाक रूप से मलाशय और मूत्राशय में घुस चुकी थीं। एक ने छोटी आंत को क्षतिग्रस्त कर दिया था लेकिन ज्यादा अंदर तक नहीं गई थी, इसलिए रक्तस्राव नहीं हुआ। डॉक्टरों ने बताया कि नुकीली वस्तुएं निगलना खतरनाक है क्योंकि ये आंतरिक अंगों को नुकसान पहुंचा सकती हैं, जिससे गंभीर रक्तस्राव हो सकता है और पाचन रस का रिसाव हो सकता है।

डॉक्टरों ने कहा कि बच्चा भाग्यशाली था जिसे सुइयों से कोई गंभीर चोट नहीं आई।दो हफ्ते बच्चे को सिर्फ तरल आहार दिया गया। दरअसल यह उस कृषक की गलती थी कि पशुओं को इंजेक्शन लगाने के बाद खेतों में फेंक दिया था। अगर समय पर उपचार नहीं मिलता तो शिशु को बचा पाना संभव नहीं था।

यह कोई पहला मामला नहीं है। कुछ दिनों पहले चीन के शानक्सी प्रांत में 5 महीने की बच्ची ने सिलाई मशीन की सुई गटक ली थी। सुई बच्ची के पेट की दीवार में घुसकर उसके हार्ट के बाएं वेंट्रिकल में छेद कर चुकी थी। डॉक्टरों ने ऑपरेशन के बाद उसे बचा लिया। इसी तरह पिछले मामले में एक 54 वर्षीय महिला ने सिलाई सुई निगल ली थी लेकिन उसे कोई लक्षण नजर नहीं आ रहे थे। हालांकि, डॉक्टरों के मुताबिक, अगर कोई निगल ले तो उसे तेज दर्द का अनुभव होगा। यहां तक कि लगेगा कि दम घुटने वाला है। उल्लेखनीय है कि सबसे ज्यादा सिक्के और हड्डियां निगलने के मामले आते हैं।

भगत सिंह को दी गई सजा का केस दोबारा खोलने पर लाहौर हाई कोर्ट ने जताई आपत्ति

- कोर्ट ने कहा, यह याचिका बड़ी पीठ के गठन के लिए सुनवाई योग्य नहीं

मास्को (एजेंसी)। लाहौर (ईएमएस)। लाहौर हाई कोर्ट ने स्वतंत्रता सेनानी शहीद भगत सिंह को 1931 में दी गई सजा का मामला फिर से खोलने और उन्हें मरणोपरांत सरकारी सम्मान दिए जाने की मांग करने वाली याचिका पर आपत्ति जताई है। कोर्ट का कहना है कि यह मामला सुनवाई के योग्य नहीं है। वहीं याचिकाकर्ताओं ने कहा है कि वे भगत सिंह को सांडर्स हत्या मामले में निर्दोष प्रमाणित कराने के लिए अडिग हैं। दरअसल, 23 मार्च, 1931 को ब्रिटिश शासन के विरुद्ध षडयंत्र रचने के आरोप में ब्रिटिश शासकों ने भगत सिंह, उनके साथी राजगुरु और सुखदेव को फांसी दी थी। इस मामले में भगत सिंह को शुरू में उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी, लेकिन बाद में एक मनगढ़ंत मामले में फांसी की सजा दी गई। याचिकाकर्ताओं में शामिल भगत सिंह मेमोरियल फाउंडेशन के चेयरमैन वकील इम्तियाज राशिद कुरैशी ने कहा कि वरिष्ठ वकीलों के समूह की याचिका लाहौर हाई कोर्ट में एक दशक से लंबित थी। उन्होंने कहा ?कि जस्टिस शुजात अली खान ने 2013 में वृहद पीठ के गठन के लिए मामला मुख्य न्यायाधीश के पास भेज दिया था। राष्ट्रीय महत्व के इस मामले को पूरी पीठ के सामने रखना चाहिए।

लाहौर हाईकोर्ट ने इस पर शीघ्र सुनवाई और बड़ी पीठ के गठन पर आपत्ति जताई है और कहा कि यह याचिका बड़ी पीठ के गठन के लिए सुनवाई योग्य नहीं है। याचिकाकर्ता कुरैशी ने कहा कि वरिष्ठ वकीलों के एक पैनल ने लाहौर हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, जिस पैनल में वे भी शामिल थे। यह याचिका साल 2013 से लंबित है। याचिका में कहा गया है कि भगत सिंह ने उपमहाद्वीप की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया था। उपमहाद्वीप में भगत सिंह न केवल सिखों और हिंदुओं, बल्कि मुस्लिमों के लिए भी सम्माननीय हैं। वकील इम्तियाज ने कहा कि भगत सिंह के मामले की सुनवाई करने वाले ट्रिब्यूनल के न्यायाधीशों ने 450 गवाहों को सुने बिना ही फांसी की सजा सुना दी थी। उनके वकीलों को भी गवाहों को जिरह करने का अवसर नहीं दिया गया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पिछले 100 घंटे से जारी हैं सेना के ऑपरेशन, ड्रोन का हो रहा इस्तेमाल

अनंतनाग । जम्मू-कश्मीर में अनंतनाग जिले के गडोले वन क्षेत्र में छिपे आतंकवादियों का सफाया करने का अभियान पांचवें दिन रविवार को भी जारी है, सुरक्षा बलों ने आस-पास के गांवों तक अभियान का दायरा बढ़ाकर वन क्षेत्र में मोर्टार के कई गोले दागे। सेना के अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बल घने वन क्षेत्र में ड्रोन और हेलीकॉप्टर के जरिए तलाश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि रविवार सुबह अभियान प्रारंभ होते ही सुरक्षा बलों ने जंगल की ओर मोर्टार के कई गोले दागे। अधिकारियों ने बताया कि वन क्षेत्र में कई गुफानुमा ठिकाने हैं। आतंकवादियों पर हमला करने के लिए उनके सटीक ठिकाने का पता लगाने के वास्ते ड्रोन का इस्तेमाल हो रहा है। ड्रोन से प्राप्त फुटेज में शुक्रवार को सुरक्षा बलों द्वारा एक ठिकाने पर गोले दागे जाने के बाद एक आतंकवादी भागते हुए दिखाई दिया। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादी आवासीय इलाकों में न घुस पाएं, यह सुनिश्चित करने के लिए एहतियात के तौर पर पड़ोसी पोश क्रेरी इलाके तक सुरक्षा को बढ़ाया गया है। सैन्य अधिकारियों ने लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी को उच्च प्राथमिकता वाले अभियानों के बारे में जानकारी दी, जिसमें बलों द्वारा उच्च प्रौद्योगिकी वाले साजो सामान का उपयोग किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने उस ड्रोन का भी मुआयना किया जिसकी मदद क्षेत्र और आतंकवादियों के संबंध में जानकारी लेने के लिए ली जा रही है। उन्होंने कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी ने पुलिस और सेना के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अभियान की समीक्षा की। उन्होंने अभियान में तैनात सैनिकों के साथ भी बातचीत की। पुलिस का मानना है कि दो से तीन आतंकवादी वन क्षेत्र में मौजूद हैं।

दस घंटे देरी से चली एअर इंडिया की मुंबई-लखनऊ उड़ान, सहना पड़ा विरोध

नई दिल्ली । एअर इंडिया की मुंबई से लखनऊ जाने वाली उड़ान 10 घंटे की देरी से शुरू होने के समाचार हैं। इसके बाद यात्रियों ने विरोध करते हुए जोरदार हंगामा भी किया। मिली जानकारी के अनुसार यात्रियों ने टाटा समूह के मालिकाना हक वाली एयरलाइन के खिलाफ प्रदर्शन किए और नारेबाजी की। एक सूत्र ने बताया कि एअर इंडिया एक्सप्रेस उड़ान एआईएक्स-2773 को शनिवार रात नौ बजकर 19 मिनट पर मुंबई से उड़ान भरनी थी, लेकिन एयरलाइन ने अंतिम क्षण में यात्रियों को सूचित किया कि विमान के उड़ान भरने का समय बदलकर रविवार सुबह सवा सात बजे कर दिया गया है। एअर इंडिया एक्सप्रेस ने देर शाम एक बयान में कहा कि ऐसे आज शाम दिल्ली में खराब मौसम के कारण अपनी उड़ान के समय में परिवर्तन करना पड़ा। एयरलाइन के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि आज शाम दिल्ली में खराब मौसम रहने के कारण उनकी उड़ान का मार्ग परिवर्तित किया गया है जिनमें हमारी गुवाहाटी-दिल्ली उड़ान भी शामिल है, जिसका मार्ग परिवर्तित कर लखनऊ कर दिया गया है। इसके कारण दिल्ली तथा मुंबई से उड़ान भरने वाले विमानों के संचालन के समय में भी परिवर्तन किया गया है। उसने बताया कि प्रभावित यात्रियों के लिए भोजन, उन्हें ठहराने तथा उनके परिवहन की सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है।

खेतवाड़ी में विराजेंगे महाराष्ट्र के सबसे ऊंचे 45 फीट के गणपति

मुंबई (ईएमएस)। दक्षिण मुंबई के खेतवाड़ी इलाके में सबसे ऊंचे 45 फुट के भगवान गणेश विराजमान होने जा रहे हैं। इन दिनों यह मूर्ति आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इस वर्ष, यह सबसे ऊंचे 'बप्पा गिरगांव में खेतवाड़ी की '11वीं लेन (गली) में स्थापित किए गए हैं और 19 सितंबर से शुरू होने वाले 10 दिवसीय उत्सव के दौरान भक्तों को आकर्षित करने के लिए तैयार हैं।' बप्पा की विशाल मूर्ति भगवान इंद्र के अवतार में तैयार की गई है, जिसमें भगवान ने एक हाथ में 'वज्र पकड़ा हुआ है। खेतवाड़ी 11वीं लेन गणपति स्थापित करने की शुरुआत मंडल ने 1962 से की थी और मंडल भक्तों का ध्यान आकर्षित करने के लिए पिछले कुछ वर्षों से सबसे अनोखी मूर्ति स्थापित करता आ रहा है। यहां के गणपति 'मुंबईचा महाराजा' के नाम से मशहूर हैं। खेतवाड़ी 11वीं लेन गणपति मंडल के अध्यक्ष हेमंत दीक्षित ने कहा ?कि वर्ष 1999 में 25 फुट की मूर्ति स्थापित की गई थी, जिसके बाद हर वर्ष मूर्ति का आकार बढ़ाना तय किया गया। इस साल महाराष्ट्र की सबसे ऊंची 45 फुट की गणपति प्रतिमा स्थापित की गई है। कलाकार कुणाल पाटिल इस मूर्ति को जून से बना रहे हैं, जबकि इसकी योजना छह महीने पहले ही शुरू कर दी गई थी।

24 से ज्यादा हत्या, लूट के आरोपी का तमिलनाडू पुलिस ने किया एनकाउंटर

चेन्नई । तमिलनाडु के कांचीपुरम में 24 से ज्यादा हत्या, लूट, और जबरन वसूली के मामले में नामजद अपराधी को पुलिस ने एनकाउंटर में मार गिराया। 35 साल का चर्चित अपराधी विश्वनाथन को पुलिस ए ग्रेड क्रिमिनल की श्रेणी में रखा था। रिपोर्ट के मुताबिक विश्वनाथन के खिलाफ श्रीपेरंबुदूर, पुझल, ओरागदम और मणिमंगलम पुलिस स्टेशनों में तीन हत्याओं, स्क्रैप उद्योग मालिकों का अपहरण, जबरन वसूली, और उनसे पैसे मांगने सहित 24 मामले दर्ज थे। पुलिस ने दावा किया कि टीम ने विश्वनाथन को घेर लिया और जैसे ही पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने की कोशिश की उसने चाकू निकाला और दो पुलिसकर्मियों को घायल कर दिया। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में गोली चलाई जिसके बाद आरोपी बुरी तरह घायल हो गया। विश्वनाथन को सरकारी अस्पताल ले जाया गया जहां मृत घोषित कर दिया गया। घायल पुलिसकर्मी राजेश और वासु को भी अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनका इलाज चल रहा है। घायल पुलिसकर्मियों से मुलाकात करने पहुंचे एडीजीपी अरुण ने कहा कि राज्य में गुंडागर्दी पर अंकुश लगाने के लिए सभी उपाय किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्वनाथन ए श्रेणी का बदमाश था। जब एक टीम ने हत्या की जांच के लिए आरोपी को पकड़ने की कोशिश की, तब उसने पुलिस टीम पर हमला कर दिया, जवाब में पुलिस को भी गोलियां चलानी पड़ीं।

धमपुर रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर शहीद कैप्टन तुषार महाजने हुआ

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के उधमपुर रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर शहीद कैप्टन तुषार महाजने कर दिया गया है। रेलवे स्टेशन का बोर्ड भी बदला गया है। इस मौके पर तुषार महाजन के बचपन का एक निबंध फिर चर्चा का विषय बन रहा है। उनके दोस्त आज उनका स्कूल में लिखा गया निबंध याद कर कहते हैं कि उस उम्र में कई बच्चे जानते भी नहीं थे कि आतंकवादी क्या होते हैं। लेकिन तुषार ने बचपन से ही सेना में जाकर आतंकियों से लोहा लेने का मन बना लिया था। तुषार के बचपन के दोस्त सुशांत ने बताया था कि जब कक्षा में निबंध लिखने को कहा गया, तब उन्होंने अपना लक्ष्य बता दिया। उन्होंने लिखा कि वह सेना में भर्ती होकर आतंकियों का खात्मा करना चाहते हैं। 16 साल की उम्र में ही उनका चयन राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में हो गया था। कहा जाता है कि कैप्टन तुषार के मां-बाप उन्हें इतनी कम उम्र में खुद से दूर नहीं करना चाहते थे लेकिन वे भी उनकी राष्ट्रभक्ति के आगे विवश हो गए और फिर उन्हें रोकना ठीक नहीं समझा। कैप्टन तुषार महाजन 9 पैरा के अधिकारी थे। साल 2016 में पुलवामा में उद्यमिता विकास संस्थान पर आतंकवादियों ने हमला कर दिया था। इसमें कैप्टन तुषार और उनके साथियों ने मोर्चा संभाला। कैप्टन तुषार ने एक आतंकवादी को ढेर किया। लेकिन साथी जवानों की रक्षा करने के दौरान उन्हें चार गोलियां लग गईं। उन्हें अस्पताल ले जाया गया लेकिन ज्यादा खून निकल जाने के वजह से बचाया नहीं जा सका। बता दें कि तुषार के पिता रिटायर्ड स्कूल प्रिंसिपल हैं। इस पल को देखकर वह फिर भावुक हो गए और उन्होंने कहा कि अब हर शख्स देखेगा कि तुषार कौन था। उन्होंने कहा कि पूरे उधमपुर वासियों की मांग थी कि रेलवे स्टेशन का नाम तुषार के नाम पर रखा जाए। यह युवाओं के लिए प्रेरणा के तौर पर काम करेगा।

उत्तर रेलवे ने 3 साल में चूहों को पकड़ने में खर्च किए 69 लाख रुपये

लखनऊ । उत्तर रेलवे की लखनऊ डिवीजन ने चूहों को पकड़ने के लिए 3 साल में 69 लाख रुपये खर्च किए हैं। इसके बावजूद चूहों के आतंक से मुक्ति नहीं मिली है। चूहों के वजह से सिग्नलिंग सिस्टम में भी नुकसान हो रहा है। चारबाग रेलवे स्टेशन पर भी चूहों का आतंक है। लखनऊ मंडल की ओर से मेसर्स सेंट्रल वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन को चूहों को पकड़ने की जिम्मेदारी दी गई है। अब स्टेशनों पर कंपनी के कर्मचारियों की मदद से चूहों को पकड़ा जाएगा। उत्तर रेलवे की लखनऊ डिवीजन ने आरटीआई का जवाब देकर बताया है कि 168 चूहों को पकड़ने के लिए 3 साल में 69 लाख रुपये खर्च किए गए हैं।

खड़गे की हुंकार, ये आराम करने का समय नहीं, 2024 में भाजना को सत्ता से बाहर करना हमारा लक्ष्य

– हमें अपने निजी हितों को अलग रखकर पार्टी के बारे में सोचना चाहिए

हैदराबाद(एजेंसी)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि ये लोकतंत्र के अस्तित्व की चिंता हैं और हमारा लक्ष्य 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराना होना चाहिए जब महात्मा गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने के 100 साल पूरे हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि गांधी जी को सबसे उचित श्रद्धांजलि 2024 में भाजपा को सत्ता से बाहर करना होगा। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक के दूसरे दिन राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे ने कहा, हम सभी आगे आने वाली चुनौतियों से अवगत हैं। ये चुनौतियां सिर्फ कांग्रेस की नहीं हैं, बल्कि ये भारतीय लोकतंत्र के अस्तित्व और भारतीय संविधान के संरक्षण की चिंता को लेकर हैं।

खड़गे ने कहा कि महाराष्ट्र के मुंबई में इंडिया ब्लॉक के नेताओं की बैठक के दौरान सरकार ने एक राष्ट्र, एक चुनाव पर एक समिति बनाई। उन्होंने आरोप लगाया, अपने एजेंडे के लिए, उन्होंने सभी परंपराएं तोड़ दीं और पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद को समिति का अध्यक्ष बनाया। उन्होंने कहा कि यह मोदी सरकार उस कदम उठाने के लिए जानी जाती है जिसका कोई मतलब नहीं होता।

हमारा लक्ष्य 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को हराना और देश में एक वैकल्पिक सरकार बनाने के लिए परिश्रमपूर्वक काम करना होना चाहिए। अगले साल कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में महात्मा गांधी के चुने जाने की शताब्दी भी है और 2024 में भाजपा को सत्ता से बाहर करना बापू को सबसे उपयुक्त श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण लोकसभा चुनावों से पहले, इस साल के अंत में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव भी होने हैं। इसलिए पार्टी को इन सभी राज्यों और जम्मू-कश्मीर में संभावित विधानसभा चुनावों के लिए भी तैयार रहना चाहिए। खड़गे ने छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यों पर प्रकाश डालकर कहा कि दोनों राज्य सरकारों ने सामाजिक न्याय और कल्याणवाद का एक नया मॉडल पेश किया है। उन्होंने कहा, हमें इन कल्याणकारी योजनाओं का पूरे देश में प्रचार करना चाहिए। उन्होंने सीडब्ल्यूसी में मौजूद प्रदेश अध्यक्षों और विधायक दल के नेताओं से भी पूछा कि क्या उन्होंने ब्लॉक और जिला स्तर पर अपनी समितियां तैयार कर ली हैं और क्या वे नियमित अंतराल पर कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं और क्या उन्होंने संभावित उम्मीदवारों की पहचान करनी शुरू कर दी है। उन्होंने पार्टी नेताओं को चेतावनी देकर कहा कि यह हमारे लिए आराम करने का समय नहीं है।

उन्होंने कहा, मोदी सरकार के शासन के तहत पिछले 10 वर्षों में, लोगों के सामने चुनौतियां कई गुना बढ़ी हैं। प्रधानमंत्री (नरेंद्र मोदी) गरीबों, किसानों, मजदूरों, महिलाओं और युवाओं की चिंताओं को संबोधित करने से इनकार करते हैं और इसकी बजाय, वह खुद से परे नहीं देख सकते हैं, इसतरह के हालात में हम मूकदर्शक बने नहीं रह सकते। हमें अपने लोकतंत्र को बचाने के लिए एकजुट होकर इस तानाशाही सरकार को उखाड़ फेंकना होगा। उन्होंने कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश में पार्टी की जीत पर भी प्रकाश डालकर कहा कि लोग एक विकल्प की तलाश में हैं और दोनों राज्यों के विधानसभा चुनावों में हमारी जीत इसका स्पष्ट प्रमाण है। खड़गे ने कहा, हमें व्यक्तिगत हितों को किनारे रखकर अथक परिश्रम करना चाहिए। हमें अपने व्यक्तिगत मतभेदों को किनारे रखकर पार्टी की सफलता को प्राथमिकता देनी चाहिए। हमें आत्म-संयम रखना चाहिए और अपने नेताओं या पार्टी के खिलाफ मीडिया में बयान देने से बचना चाहिए। ताकि पार्टी के हित सुरक्षित रहें और कोई नुकसान न हो। उन्होंने कहा, हम न केवल तेलंगाना में बल्कि आने वाले सभी चुनावों में जीत हासिल करने और लोगों को भाजपा के कुशासन के दुःखों से राहत दिलाने की दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ रविवार को हैदराबाद छोड़ रहे हैं।

कांग्रेस ने संसद के विशेष सत्र में महिला आरक्षण विधेयक पारित करने की मांग

नई दिल्ली । कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि पार्टी की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) ने मांग की है कि महिला आरक्षण विधेयक संसद के विशेष सत्र के दौरान पारित किया जाए। सीडब्ल्यूसी ने अपने प्रस्ताव में 18 से 22 सितंबर तक होने वाले विशेष सत्र में विधेयक को पारित कराने का जिक्र किया है। रमेश, जो पार्टी के संचार प्रभारी भी हैं, ने कहा, कांग्रेस कार्य समिति ने मांग की है कि महिला आरक्षण विधेयक संसद के विशेष सत्र के दौरान पारित हो चाहिए। उन्होंने इस मुद्दे पर कुछ तथ्यों पर भी प्रकाश डाला और कहा कि राजीव गांधी ने पहली बार मई 1989 में पंचायतों और नगर पालिकाओं में एक तिहाई आरक्षण के लिए संविधान संशोधन विधेयक पेश किया था। यह लोकसभा में पारित हो गया लेकिन सितंबर 1989 में राज्यसभा में विफल हो गया। उन्होंने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव ने अप्रैल 1993 में पंचायतों और नगर पालिकाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण के लिए संविधान संशोधन विधेयक फिर से पेश किया। दोनों विधेयक पारित हुए और कानून बन गए। उन्होंने कहा, अब पंचायतों और नगर पालिकाओं में 15 लाख से अधिक निर्वाचित महिला प्रतिनिधि हैं। यह लगभग 40 प्रतिशत है। प्रधानमंत्री के रूप में, डॉ. मनमोहन सिंह संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण के लिए संविधान संशोधन विधेयक लाए। विधेयक 9 मार्च, 2010 को राज्यसभा में पारित हुआ। लेकिन विधेयक लोकसभा में नहीं लिया गया। विधेयक पेश किया गया या राज्य सभा में पारित हो गया तब समाप्त नहीं होगा। महिला आरक्षण विधेयक अभी भी सक्रिय है। राज्यसभा सांसद ने कहा, कांग्रेस पार्टी नौ साल से मांग कर रही है कि महिला आरक्षण विधेयक पहले ही राज्यसभा में पारित हो चुका है और अब लोकसभा में भी पारित हो जाना चाहिए।

तुष्टिकरण की राजनीति के कारण विरोधी दल हैदराबाद मुक्ति दिवस मनाने से डर रहे हैं : शाह

– भारत के पहले गृह मंत्री पटेल ने निजाम से मुक्त कराया हैदराबाद

हैदराबाद (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तेलंगाना के सिकंदराबाद में कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि तेलंगाना राज्य के गठन के बाद भी, राजनीतिक दल वोट-बैंक की राजनीति के कारण हैदराबाद मुक्ति दिवस मनाने में अनिच्छुक हैं। उन्होंने हैदराबाद मुक्ति दिवस समारोह को संबोधित कर कहा, मैं इन पार्टियों को बताना चाहता हूं कि अगर वे देश के इतिहास को नजरअंदाज करते हैं, तब लोग उन्हें नजरअंदाज कर देने वाले हैं। उन्होंने कहा कि देश, तेलंगाना और हैदराबाद अपने इतिहास और अपने स्वतंत्रता सेनानियों की शहादत पर गर्व करके ही प्रगति कर सकते हैं। लगातार दूसरे वर्ष, केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय ने पूर्ववर्ती हैदराबाद राज्य के भारतीय संघ में शामिल होने की वर्षगांठ मनाने के लिए समारोह का आयोजन किया।

केंद्रीय मंत्री शाह ने अफसोस जताया कि 75 वर्षों तक किसी भी सरकार ने लोगों, विशेषकर युवाओं को इस महान दिन का महत्व समझाने और शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को उजागर करने के लिए कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं किया। शाह ने तंज करते हुए कहा कि तुष्टिकरण की राजनीति के कारण वे डरे हुए हैं। उन्होंने केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में समारोह आयोजित करने की नई परंपरा शुरू करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, इन समारोहों के तीन उद्देश्य हैं नई पीढ़ी को क्षेत्र को आजाद कराने के लिए किए गए बलिदानों की याद दिलाना, शहीदों को श्रद्धांजलि देना और हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों का देश बनाने के लिए खुद को फिर से समर्पित करना।

हैदराबाद राज्य को स्वतंत्र कर भारतीय संघ में विलय करने के लिए भारत के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित कर शाह ने कहा कि यदि सरदार पटेल नहीं होते, तब हैदराबाद राज्य की मुक्ति जल्दी नहीं होती। उन्होंने कहा, अंग्रेजों से आजादी के बाद, क्रूर निजाम ने राज्य पर 399 दिनों तक शासन किया। ये 399 दिन तेलंगाना के लोगों के लिए यातनापूर्ण थे। सरदार पटेल ने 400वें दिन राज्य को आज़ादी दिलाने में मदद की। गृह मंत्री ने कहा कि सरदार पटेल और के.एम.मुंशी की जोड़ी ने हैदराबाद की मुक्ति की रूपरेखा तैयार करने और उसे क्रियान्वित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने सरदार पटेल के शब्दों को याद करते हुए कहा कि स्वतंत्र हैदराबाद पेट में कैंसर की तरह होगा और इसका एकमात्र इलाज ऑपरेशन है। उन्होंने पुलिस एक्शन नामक ऑपरेशन चलाया और बिना खून की एक बूंद बहाए, निजाम की रजाकार सेना को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर कर दिया।

शाह ने कहा कि हैदराबाद राज्य को आजाद कराने के आंदोलन में लाखों लोगों ने भाग लिया और कई लोगों ने अपने जीवन का बलिदान दिया, इसमें तेलंगाना, कल्याण कर्नाटक और मराठवाड़ा शामिल थे। उन्होंने कहा कि विभिन्न संगठनों और व्यक्तियों ने आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया। केंद्रीय गृह मंत्री ने पत्रकार शोयबुल्लाह खान और आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी रामजी गोंड पर विशेष डाक कवर जारी किए, जिन्होंने निजाम के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। इसके पहले, केंद्रीय मंत्री शाह ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और पटेल को पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने अर्धसैनिक बलों की 12 टुकड़ियों की परेड की समीक्षा भी की। सीआरपीएफ, आरएएफ और सीआईएसएफ की टुकड़ियों ने रंगारंग मार्च पास्ट किया। केंद्रीय गृह सचिव अजय के. भल्ला, संस्कृति सचिव गोविंद मोहन, इंटेलिजेंस ब्यूरो के निदेशक तपन डेका, सीआरपीएफ के महानिदेशक सुजॉय लाल थाओसेन, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की महानिदेशक रश्मि शुक्ला भी उपस्थित थीं। शाह ने एसएसबी कर्मियों के लिए पारिवारिक आवास की आधारशिला भी रखी। हैदराबाद के पास इब्राहिमपटनम में 85 एकड़ जमीन पर फैमिली क्वार्टर बन रहा है।

सीएम हिमंत विश्व ने राहुल गांधी को दिया चुनावी हिंदू का खिताब

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने राहुल गांधी को चुनावी हिंदू का खिताब दिया है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को चुनावी हिंदू करार देते हुए दावा किया कि अगर सनातन धर्म की जगह दूसरे धर्म के खिलाफ टिप्पणी की जाती तो विपक्षी गठबंधन 'इंडिया की प्रतिक्रिया अलग होती। हाल ही में, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के नेता उदयनिधि स्टालिन और ए राजा ने दावा किया था कि सनातन धर्म ने समाज में विभाजन पैदा किया है और इसे डेंगू, मलेरिया और कोरोना वायरस जैसी बीमारियों की तरह खत्म किया जाना चाहिए। नरसिंहपुर जिले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जन आशीर्वाद यात्रा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि सनातन धर्म पिछले 5000 वर्षों से कई करोड़ लोगों की तपस्या के कारण अस्तित्व में है। उन्होंने दावा किया कि सनातन धर्म सूर्य और चंद्रमा के अस्तित्व तक रहेगा। हिंदू सहिष्णु हैं। कांग्रेस और विपक्षी गुट इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बता रहे हैं। लेकिन अगर किसी ने मुसलमानों के बारे में टिप्पणी की होती तो उसे कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने रातों-रात निष्कासित कर दिया जाता।

असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा नहीं चाहती कि कोई मुसलमानों के खिलाफ बोले, लेकिन उन्हें सनातन धर्म और हिंदुओं के खिलाफ भी नहीं बोलना चाहिए। उन्होंने कहा, हम सभी धर्मों का सम्मान करते हैं और सर्वधर्म समभाव में विश्वास करते हैं। राहुल गांधी का मजाक उड़ाते हुए शर्मा ने उपस्थित लोगों से पूछा कि क्या उन्होंने 2018 के मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान कांग्रेस नेता को मंदिरों में जाते देखा है। गांधी को चुनावी हिंदू करार देते हुए उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के चुनाव जीतने के बाद गांधी ने मंदिरों का दौरा नहीं किया, क्योंकि उनके दिल में कोई भक्ति नहीं है। उन्होंने विपक्षी गुट 'इंडिया का भी मजाक उड़ाया और कहा कि कोई सिर्फ इसलिए महात्मा गांधी या सुभाष चंद्र बोस नहीं बन जाएगा क्योंकि वह उनका नाम रख ले।

कावेरी नदी विवाद मामले में तमिलनाडु के सासंद करेंगे गजेंद्र सिंह से मुलाकात

– नई दिल्ली में होगी बैठक, तारीख अभी तय नहीं

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के जल संसाधन मंत्री एस. दुरईमुरुगन के नेतृत्व में सांसदों का एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल नई दिल्ली पहुंचेगा। यहां सभी केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मुलाकात करेंगे। बता दें कि ये बैठक कावेरी नदी मुद्दे को लेकर होगी। हालांकि, बैठक की तारीख अभी तय नहीं हुई है। तमिलनाडु जल कार्य विभाग के सूत्रों ने एक समाचार एजेंसी को बताया कि यह बैठक जल्द ही आयोजित की जाएगी। बता दें कि कर्नाटक ने घोषणा की है कि वह अब तमिलनाडु को कावेरी का और पानी नहीं छोड़ेगा। इस घोषणा के बाद ही तमिलनाडु ने इस बैठक को बुलाने का एलान किया है। प्रतिनिधिमंडल इस बैठक के जरिए केंद्रीय मंत्री को कावेरी जल की आवश्यकता से अवगत कराएगी और उन्हें तमिलनाडु के डेल्टा जिलों में कुरुवई फसलों को बचाने के लिए जारी पानी की जानकारी भी देगी। कावेरी जल को लेकर कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच विवाद पर सुप्रीम कोर्ट 21 सितंबर को सुनवाई करेगा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने एक बयान में कहा है कि कर्नाटक ने बेबुनियाद आरोप लगाया है कि तमिलनाडु की अधिक कावेरी जल की मांग अनुचित है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि कर्नाटक ने यह भी आरोप लगाया है कि तमिलनाडु ने अपने अयाकट क्षेत्रों को बढ़ाया है जो एक निराधार आरोप है। स्टालिन ने कहा कि कावेरी जल विवाद न्यायाधिकरण के अंतिम फैसले और सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार, कावेरी बेसिन में तटवर्ती राज्यों को संकट वर्ष में आनुपातिक आधार पर उपलब्ध पानी को साझा करना चाहिए। इस फैसले के अनुसार कर्नाटक को 14 सितंबर तक 103.5 टीएमसीएफटी जारी करना चाहिए था लेकिन राज्य ने केवल 38.4 टीएमसीएफटी जारी किया। इससे 65.1 टीएमसीएफटी की कमी हो गई है। कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण ने सोमवार 18 सितंबर को एक तत्काल बैठक बुलाई है क्योंकि कर्नाटक ने 13 सितंबर तक 5000 क्यूसेक पानी छोड़ने के कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) के आदेश की अवहेलना की थी।

मार्च के बाद लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल का विनिर्माण शुरू हो जाएगा: राजनाथ सिंह

लखनऊ। (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल के विनिर्माण स्थल पर तेजी से काम हो रहा है और उम्मीद है कि अगले वर्ष फरवरी-मार्च के बाद यहां से मिसाइल का उत्पादन शुरू हो जाएगा। रक्षा मंत्री ने अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र लखनऊ दौरे के दूसरे दिन यहां गोमती नगर में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ब्रह्मोस मिसाइल विनिर्माण स्थल पर कार्य तेजी से चल रहा है और फरवरी-मार्च के बाद लखनऊ की धरती से मिसाइल उत्पादन का कार्य भी आरंभ हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि डीआरडीओ (रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन) प्रयोगशाला का कार्य भी जल्द पूरा होगा जिसका लाभ लखनऊ वासियों को मिलेगा। सिंह ने कहा कि लखनऊ में 11 अन्य परियोजनाएं शुरू की गई हैं। मंत्री ने कहा,'' हालांकि इन्हें पूरा होने में कुछ समय लगेगा, लेकिन मैं कह सकता हूं कि लोग अगले कुछ वर्षों में एक बिल्कुल अलग लखनऊ देखेंगे।'' इसके पहले जून के दूसरे पखवाड़े में सिंह ने यहां आत्मनिर्भर भारत पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा था कि उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारा (यूपीडीआईसी) में नट-बोल्ट से लेकर ब्रह्मोस मिसाइल तक का विनिर्माण होगा।

उन्होंने कहा था, 'हमने उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में रक्षा गलियारा के जरिए रक्षा विनिर्माण के लिए एक अनुकूल वातावरण तैयार किया है। यूपीडीआईसी के बारे में मुझे बताया गया है कि इस गलियारे के लिए करीब 1,700 हेक्टेयर भूमि के अधिग्रहण की योजना है, जिसमें से 95 प्रतिशत से अधिक भूमि का पहले ही अधिग्रहण किया जा चुका है।÷ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महानगर इकाई की ओर से शनिवार को जारी एक बयान के अनुसार रक्षामंत्री ने लखनऊ दौरे के दूसरे दिन इंदिरा नगर सेक्टर 25 में खुर्रम नगर और पॉलिटेक्निक चौराहे पर बन रहे मुंशी पुलिया ओवर ब्रिज की कार्य प्रगति का निरीक्षण किया। इसके उपरांत गोमती नगर में बन रहे उच्च स्तरीय रेलवे स्टेशन के विकास कार्यों का भी उन्होंने मुआयना किया।

सिंह ने कहा, मैं कह सकता हूं कि गोमती नगर रेलवे स्टेशन पर जिस तरह से कार्य चल रहा है, मैं संतुष्ट हूं, दिसंबर तक वह पूरा हो जाएगा और जो कार्य शेष रहेगा वह चलता रहेगा। रक्षामंत्री ने दोनों फ्लाईओवर का निर्माण दिसंबर-जनवरी तक पूरा करने के निर्देश दिये। चालू यातायात के सुगम संचालन हेतु 2.6 किमी लम्बाई एवं 269.81 करोड़ की लागत से खुर्रम नगर चौराहे पर फ्लाईओवर का तथा 1.86 किमी की लम्बाई एवं 170.60 करोड़ की लागत से मुंशी पुलिया फ्लाईओवर का निर्माण हो रहा है। निरीक्षण के समय मौजूद ठेकेदार एवं सलाहकार ने उन्हें बताया कि निर्माण कार्य जनवरी तक पूरा कर लिया जायेगा। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि इंजीनियरिंग कॉलेज चौराहे पर भी फ्लाईओवर निर्माण की परियोजना

को मंत्रालय ने अपनी वार्षिक कार्ययोजना में मंजूरी दे दी है। उन्होंने बताया कि परियोजना की वित्तीय एवं प्रशासनिक मंजूरी नवंबर तक मिल जायेगी जिसके बाद लगभग 18 महीनों में निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य है। सनातन धर्म के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए सिंह ने कहा, सनातन धर्म वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश देता है। इसका न तो आदि है और न ही अंत है। दुनिया की कोई ताकत इसे खत्म नहीं कर सकती।'' हाल ही में, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता उदयनिधि स्टालिन और ए राजा ने दावा किया था कि ''सनातन धर्म ने समाज में विभाजन पैदा किया है और इसे डेंगू, मलेरिया और कोरोना वायरस जैसी बीमारियों की तरह खत्म किया जाना चाहिए।'' भाजपा द्वारा जारी बयान के अनुसार सरकार के कार्यों की सराहना करते हुए सिंह ने कहा, ''जाति, पंथ, मजहब की बात की जाती है, मुझे लगता है इंसानियत से बड़ा धर्म और इंसानियत से बड़ा दूसरा कोई मजहब नहीं हो सकता।''

अनुराग ठाकुर ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का विरोध करने पर विपक्षी दलों के नेताओं की आलोचना की

शिमला (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने रविवार को 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की अवधारणा का विरोध करने को लेकर विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' पर निशाना साधते हुए कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि गठबंधन के पास न तो कोई विचारधारा है और न ही कोई नेता है। उन्होंने विपक्षी दलों के गठबंधन को ''अहंकारी और अवसरवादियों का जमावड़ा'' बताया और आरोप लगाया कि यह ''सनातन धर्म को नुकसान पहुंचाने पर तुला हुआ है।'' ठाकुर ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा, ''क्या ऐसा है कि 'इंडिया' गठबंधन नहीं चाहता कि एक राष्ट्र, एक चुनाव से देश का समय और पैसा बचे या वह चुनाव का सामना करने से डरता है?''

सूचना और प्रसारण मंत्री ठाकुर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर यहां भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया और दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल में मरीजों के बीच फल बांटे। उन्होंने कहा कि चार बैठकों के बाद भी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव एलायंस' (इंडिया) किसी नेता को आगे करने या संयोजक नियुक्त करने में सक्षम नहीं हो सका है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''अहंकारी और अवसरवादियों का यह गठबंधन, जिसकी न तो कोई विचारधारा है और न ही राष्ट्र के लिए कोई दृष्टिकोण, सनातन धर्म को नुकसान पहुंचाने पर तुला हुआ है।''

ठाकुर ने आरोप लगाया कि विपक्षी गठबंधन के नेताओं ने केवल अपना चोला बदला है, लेकिन उनका आचरण और चरित्र वही है। उन्होंने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम से तमिलनाडु में गठबंधन के नेताओं पर नजर डालने को कहा, जिसके बारे में उन्होंने आरोप लगाया कि वे संविधान का अपमान करने और उसे नष्ट करने पर आमादा हैं। ठाकुर ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा के हिमाचल प्रदेश के बारिश प्रभावित इलाकों के दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि यहां के नेताओं ने उन्हें केंद्र द्वारा राज्य को प्रदान की गई सहायता के बारे में सूचित नहीं किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा,

''दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस आपदा के समय भी राजनीति कर रही है।''

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सावंरिया सुपर मार्ट,महाकाल ग्रुप और क्रांति समय मीडिया गुप द्वारा आयोजित गणेशोत्सव 2023

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180 या फोटा,वीडियो हमें भेजे